वर्षः 7- अंकः 195, मुंबई, शुक्रवार, 29 सितंबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

बुरे फंसे राणे!

भाजपा ने रोकी नारायण राणे की एंट्री

कहा– नई पार्टी बनाकर कोंकण में शिवसेना को हराओ

नई दिल्ली/मुंबई। हाल ही में कांग्रेस छोड़ने वाले महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे की भाजपा में एंट्री रुक गई है। भाजपा ने उन्हें नई पार्टी बनाकर कोंकण क्षेत्र में ताकत दिखाने को कहा है, जहां शिवसेना मजबूत है। पार्टी रणनीतिकारों की योजना राणे की पार्टी के साथ गठबंधन करने की है। सूत्रों के अनुसार राणे की नई पार्टी को भी तत्काल एनडीए में शामिल नहीं किया जाएगा। शिवसेना की प्रतिक्रिया और राजनीतिक हालात के आधार पर ही इस मामले में कोई फैसला होगा। (शेष पृष्ठ 5 पर)

अब राणे के अगले कदम का इंतजार

कुल्हाड़ी से लड़ते शहीद हुए कांस्टेबल रमीज

श्रीनगर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कांस्टेबल रमीज अहमद पोर की हत्या के लिए जब गुरुवार रात आतंकवादी घर में घुसे तो रमीज को एक कुल्हाड़ी मिल गई, जिससे बड़ी बहादुरी से रमीज ने उनका मुकाबला किया था। उस वक्त वह अपने एक रिश्तेदार के यहां थे। उनकी छुट्टियां कुछ ही दिनों में खत्म होने वाली थीं। (शेष पृष्ठ 5 पर)

मुलायम से मिले अखिलेश

राष्ट्रीय अधिवेशन का दिया न्योता

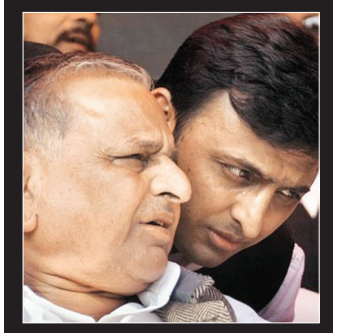

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को मुलायम सिंह यादव से मुलाकात की और उन्हें आगामी पांच अक्टूबर को आगरा में होने वाले पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन का न्योता दिया। एसपी प्रवक्ता और विधान परिषद सदस्य सुनील सिंह साजन ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश अपने पिता मुलायम से मुलाकात करने उनके घर गए और उन्हें पांच अक्टूबर को आगरा में होने वाले पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन का निमंत्रण दिया। इसी अधिवेशन में एसपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होना है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

54 अनधिकृत स्कूलों पर शिक्षा विभाग करे कार्रवाई : हाईकोर्ट
(पढ़ें पृष्ठ 3 पर)

आदर्श घोटाला: सीबीआई ने किया दावा, पूर्व सीएम चव्हाण के खिलाफ पर्याप्त सबूत
(पढ़ें पृष्ठ 5 पर)

दबाव के आगे झुकी मोदी सरकार, पेट्रोल की कीमतों पर लगी ब्रेक
(पढ़ें पृष्ठ 6-7 पर)

कपिल शर्मा की फिल्म 'फिरंगी' का टीजर पोस्टर हुआ रिलीज
(पढ़ें पृष्ठ 12 पर)

हरियाणा पुलिस की हनीप्रीत को चेतावनी

सरेंडर करो वरना भगोड़ा घोषित करेंगे

चंडीगढ़। बलात्कारी राम रहीम की सबसे बड़ी राजदार हनीप्रीत इंसा अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उसके आगे हरियाणा पुलिस बेबस नजर आ रही है। लेकिन अब हरियाणा पुलिस ने हनीप्रीत को चेतावनी जारी की है। पुलिस ने कहा है कि या तो वह सरेंडर कर दे नहीं तो उसको भगोड़ा घोषित कर दिया जाएगा। हनीप्रीत दिल्ली हाईकोर्ट में राहत मांगने गई थी, लेकिन वहां से खाली हाथ लौटने के बाद हनीप्रीत किसी और कोर्ट का दरवाजा खटखटाने नहीं पहुंची। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आगंनवाडी मोर्चे में सरकार पर बरसे उद्धव

मुंबई। शिवसेना ने आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के बहाने एक बार फिर राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। बुधवार को सरकार के खिलाफ राज्य की आंगनवाडी सेविकाओं ने आजाद मैदान में महा मोर्चा निकाल था। मोर्चे में शिवसेना के पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे भी शामिल हुए। उद्धव ने भाषण में कहा कि पगलाया हुआ विकास देश और राज्य को नहीं सहेगा।

उद्धव ने हजारों की संख्या में जमा आंगनवाडी सेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव आने पर ही भाजपा को छत्रपति शिवाजी महाराज याद आते हैं। शिवाजी महाराज मातृभक्त थे। आंगनवाडी सेविकाएं कुपोषित बच्चों को मां का प्यार देने का काम करती हैं। इन माताओं का

श्राप सरकार को भोगना पड़ेगा। उद्धव ठाकरे ने कहा सरकार आंगनवाडी सेविकाओं की हड़ताल को अवैध रूप से कुचलना चाहती है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने लोकतंत्र में 'ठोकतंत्र' चलाने की कोशिश की तो हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे। उद्धव ने कहा कि शिवसेना पूरी तरह से आंगनवाडी सेविकाओं के साथ है। मैं यहां नेतृत्व करने नहीं आंगनवाडी सेविकाओं के नेतृत्व को समर्थन देने आया हूं।

मुख्यमंत्री ओर पंकजा के खिलाफ नारेबाजी

महामोर्चे में उद्धव ठाकरे की मौजूदगी में आंगनवाडी सेविकाओं ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और महिला व बाल कल्याण मंत्री पंकजा मुंडे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

मंत्रालय में घुसेंगे

आंगनवाडी सेविकाओं की कोर कमेटी 'महाराष्ट्र राज्य अंगणवाडी कृती समिती' ने घोषणा की कि अगर आठ दिन में उनकी मांगे पूरी नहीं की गई, तो वे मंत्रालय में घुसेंगी।

कपड़ा कारोबारियों से धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के कपड़ा बाजार धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। चेन्नै के एक कपड़ा दलाल ने कालबा देवी के एक और कपड़ा दलाल की मदद लेकर तीन दर्जन कारोबारियों के 3 करोड़ से ज्यादा की रकम डकार ली। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा उसे सूरत से गिरफ्तार कर यहां लाई है। अदालत ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आर्थिक अपराध शाखा में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, स्वदेशी मार्केट के कपड़ा एजेंट नरेंद्र गुप्ता का आरोप है कि चेन्नै के कैलाश चंद जैन (रांका) ने यहां के कपड़ा व्यापारियों और एजेंटों को बताया कि वह चेन्नै में कपड़ा कारोबार करता है और कमिशन एजेंट है। शुरूआत में उसने लाखों रुपये का माल उठाया और उसका तुरंत भुगतान कर दिया। लेकिन, कुछ समय बाद उसने माल तो उठाया, मगर समय पर भुगतान करना कम कर दिया। 10 महीने बाद उसने पैसे भेजना एक बंद कर दिया। जब व्यापारी फोन करते, तो वह कभी उठता, कभी अनदेखी कर जाता। गुप्ता को चेन्नै जाने पर पता चला कि उसके पते नकली हैं और वह धोखाधड़ी ही करता है। उसका भाई अनिल रांका भी इसमें शामिल है। इन्होंने हैदराबाद, सोलापुर, अहमदाबाद, सूरत, इचलकरंजी और मुंबई जैसे शहरों में धोखाधड़ी की है।

पुलिस को इस तरह के दागी कारोबारियों के विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए और पीड़ितों को न्याय दिलाना चाहिए।

सिगरेट की दुकानों पर नहीं बेच सकेंगे चॉकलेट-चिप्स

मुंबई। बीड़ी-सिगरेट बेचने वाले दुकानदार चॉकलेट, चिप्स या कोई भी तंबाकूरहित उत्पाद नहीं बेच सकेंगे। बच्चों को तंबाकू उत्पादों से दूर रखने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संदर्भ में एक पत्र जारी करके सभी राज्यों को इस पर अमल करने का निर्देश दिया है।

पत्र के अनुसार, तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों चॉकलेट, चिप्स, शीतल पेय, बिस्किट और बच्चों के सभी उत्पाद बेचने की मनाही है। बच्चों को नशामुक्त करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम की चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ ही सामाजिक संस्थाओं ने तारीफ की है।

तंबाकू उत्पादों के लिए लाइसेंस

मंत्रालय ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि अब दुकानदारों को स्थानीय प्रशासन से तंबाकू उत्पादों के लिए लाइसेंस लेना होगा। इस लाइसेंस पर वे बिना तंबाकू वाले उत्पाद नहीं बेच सकेंगे। राजस्थान ने इस मामले में पहल करते हुए राज्य में तंबाकू का कारोबार करने वालों के लिए

लाइसेंस लेना जरूरी कर दिया है। अब सभी की निगाहें महाराष्ट्र सरकार पर है कि वह इसे कब लागू करती है।

'बच्चे होते हैं आकर्षित'

टाटा हॉस्पिटल के सिर और गले के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज चतुर्वेद दी ने कहा कि चॉकलेट, चिप्स, शीतल पेय की आड़ में बच्चों को तंबाकू कंपनियों द्वारा तंबाकू उत्पादों के प्रति आकर्षित किया जाता है। उम्र कम होने के कारण उन्हें गलत-सही का पता नहीं होता और वे नशे की गिरफ्त में आ जाते हैं। ऐसे में सरकार का यह कदम बहुत ही अच्छा है।

इस निर्देश के बारे में संबंध फाउंडेशन की आशिमा सरीन का कहना है, 'दुकान पर अक्सर तंबाकू उत्पाद ऐसी जगहों पर होते हैं जहां बच्चों की नजर पहुंचती है।

इससे बच्चे उन उत्पादों के प्रति आकर्षित होते हैं। सरकार का यह कदम आने काफी कारगर साबित होगा।' वहीं, अरुण कुमार झा, आर्थिक सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने कहा कि स्थानीय महानगरपालिका के जरिए तंबाकू उत्पादों की बिक्री करने वाले दुकानदारों पर प्रभावी तरीके से नजर रखी जा सकती है।

रूममेट्स के न्यूड फोटो बॉयफ्रेंड को भेजती थी लड़की, राज खुला तो कर लिया सूसाइड

मुंबई। मुंबई में पिछले दिनों एक हॉस्टल में रहने वाली लड़की और उसके बॉयफ्रेंड ने ट्रेन के आगे कूदकर सूसाइड कर लिया था। इस मामले में अब नया खुलासा हुआ है। लड़की के सूसाइड नोट से पता चला है कि उसने अपनी दो रूममेट्स की न्यूड फोटो ली थी और उसे अपने बॉयफ्रेंड को भेज दिया था। यह बात रूममेट्स को पता चल गई। आरोपी लड़की और उसके बॉयफ्रेंड ने पुलिस से बचने के लिए सूसाइड कर लिया।

आरोपी छात्रा वरुशाली लांडे सेंट जॉर्ज हॉस्पिटल में पढ़ती थी। उसने एक पत्र लिखा है जिसमें उसने बताया कि वह और उसका बॉयफ्रेंड सुरेश शिंदे हॉस्टल की दो रूममेट की प्रिवेसी के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार हैं। उसने यह भी कहा कि तस्वीरों का गलत इस्तेमाल किया जाता है तो वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। बता दें, वरुशाली लांडे और सुरेश की लाश गत 23 सितंबर को कल्याण के पास मिली थी।

सूसाइड नोट

सुरेश एक निजी क्लिनिक में नर्स का काम करता था। पुलिस और अस्पताल के कुछ कर्मचारियों ने बताया कि वरुशाली ने गुपचुप तरीके से हॉस्टल की रूममेट्स की न्यूड तस्वीरें खींच ली थी और उसे सुरेश को भेज दिया था। इस दौरान दोनों ने मैसेज भे जकर बात की थी। हॉस्टल की एक लड़की ने 21 सितंबर को इस मैसेज को पढ़ लिया और वरुशाली से पूछताछ की।

इस दौरान उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और बताया कि सुरेश के कहने पर उसने ऐसा किया

है। सुरेश ने उसे धमकी दी थी कि अगर उसने तस्वीरें नहीं भेजी तो वह दोनों के रिश्ते के बारे में उसके माता पिता को बता देगा। एक नर्स ने बताया कि उसकी दोनों रूममेट ने वरुशाली से कहा कि यदि वह लिखित में यह दे देती है कि सुरेश ने उसे ऐसा करने के लिए कहा था तो वे कुछ नहीं करेंगी। साथ ही उसे सुरेश से सभी संबंध तोड़ने होंगे। दो दिन बाद ही वरुशाली ने फिर ने सुरेश को मैसेज भेजना शुरू कर दिया। इस बार लड़कियों ने मामला पुलिस के पास ले जाने की धमकी दी। काफी बहस के बाद वरुशाली कुछ पैसे लेकर घर से निकल गई। जब वह शाम सात बजे तक नहीं लौटी तो हॉस्टल के अधिकारियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। अगले दिन हॉस्टल की दोनों रूममेट ने पूरा घटनाक्रम बताया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

पुलिसवाले की गंदी हरकत

मुंबई। जिस पुलिस को कानून की रक्षा करने व अपराध पर काबू करने की शपथ दिलाई जाती है। उसी पुलिस के एक सिपाही पर लगा है डिपार्टमेंट की महिला पुलिसकर्मी का नहाते हुए वीडियो शूट करने का आरोप। मामला पुणे के चतुःश्रृंगी इलाके का है। महिला की शिकायत के बाद आरोपी सिपाही के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अरेस्ट कर लिया गया है। खड़क पुलिस स्टेशन में तैनात सिपाही समीर पटेल पर अपने ही विभाग की एक महिला सिपाही की अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगा है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित महिला अपने घर में बाथरुम में नहा रही थी। इस दौरान उसके बाथरुम की खिड़की से आरोपी सिपाही वीडियो बना रहा था। अचानक महिला की नजर खिड़की पर पड़ी और उसने सिपाही को देख लिया।

शिकायत करने पर पति की हुई पिटाई

इसके बाद महिला पुलिसकर्मी ने इसकी शिकायत अपने पति से की। महिला के पति ने मामले को लेकर सिपाही से शिकायत की तो आरोपी ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर उसकी जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस के आलाधिकारी से की। मामले कि गंभीरता को देखते हुए सीनियर ऑफिसर के निर्देश पर आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ केस दर्ज किया गया और अरेस्ट कर जेल भेज दिया गया। आरोपी का मोबाइल भी जब्त कर लिया गया है। जांच में आरोपी के मोबाइल से कई आपत्तिजनक क्लिप बरामद हुई है।

54 अनधिकृत स्कूलों पर शिक्षा विभाग करे कार्रवाई : हाईकोर्ट

नागपुर। बाम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने बुधवार को जिला प्राथमिक शिक्षा विभाग को जिले में चल रहे 54 अनधिकृत स्कूलों पर योग्य कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है। कोर्ट ने चार सप्ताह के भीतर स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करके 6 माह के भीतर इसे पूर्ण करने का आदेश दिया है। बता दें कि नागपुर जिले में करीब चार हजार निजी और सरकारी स्कूल संचालित होते हैं। स्कूल संचालन के लिए आरटीआई एक्ट के तहत शिक्षा विभाग अनुमति जारी करता है। इन 54 स्कूलों के पास जरूरी अनुमति नहीं है। याचिकाकर्ता सचिन बिसेन ने कोर्ट में शिक्षा विभाग पर आरोप लगाया था कि विभाग जानबूझ कर इन स्कूलों पर कार्रवाई नहीं कर रहा है। जिसके बाद कोर्ट ने यह आदेश जारी किए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से एड.अंकुश तिरूख ने पक्ष रखा।

विविध शिक्षक और विद्यार्थी संगठनों के आंदोलनों के बाद शिक्षा विभाग ने जून 2016 को जिले में चल रहे अनधिकृत स्कूलों की सूची प्रकाशित की थी। याचिकाकर्ता के अनुसार उन्होंने आरटीआई में इस मामले में विस्तृत जानकारी मंगाई। जिसमें शिक्षा विभाग ने बताया कि इन 54 स्कूलों में से 31 स्कूल ऐसे हैं, जिनके पास आरटीई एक्ट के सेक्शन 18 के तहत मान्यता प्रमाणपत्र नहीं है। शेष स्कूलों की मंजूरी में भी कई दस्तावेज नदारद है। याचिकाकर्ता की दलील थी कि शिक्षा विभाग को ऐसे स्कूलों को बंद करा देना चाहिए था। ताकि पालक अपने बच्चों का एडमिशन इन स्कूलों में कराने से बच सकें। लेकिन शिक्षा विभाग कार्रवाई करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहा। जिसके बाद उन्होंने यह याचिका दायर की थी।

कैरी बैग में लिपटी मिलीं पिता और बेटे की लाश

मुंबई। शहर से सटे विरार इलाके में सोमवार को लापता हुए बाप-बेटे की डेड बॉडीज कैरीबैग में लिपटी हुई मिली है। दोनों के मुंह पर सेलोटेप चिपकाकर हत्या कर दी गई और शवों को घर से 20 किलोमीटर दूर फेंक दिया गया। पुलिस ने हत्यारों की तलाश शुरू कर दी है। हत्या की वजह सामने नहीं आई है। विरार के सहकारनगर में चंद्रकांत करगल (45) अपनी पत्नी सुमित्रा (42) और बेटा हर्ष (10) के साथ रहते थे। सोमवार सुबह वे अपने बेटो को स्कूल से लाने के लिए घर से बाहर निकले, लेकिन दोनों बाप बेटे घर पर वापस नहीं आए। परिजनों ने दोनों के गुमशुदा होने की रिपोर्ट विरार पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। मंगलवार की शाम बेटे का शव पुलिस ने विरार पूर्व के कनेर स्थित एक तालाब से बरामद किया। उसके मुंह लपर सेलोटेप चिपकाया गया था और हाथ पैर बंधे हुए थे वहीं उसे प्लास्टिक की कैरीबेग से लपेटा हुआ था। जबकि पिता की बॉडी हाथ पैर बाँधी हुई अवस्था में विरार पश्चिम महाडा के नाले में बुधवार को मिली। डीवाईएसपी जयंत बजबले के मुताबिक, दोनों की हत्या मुंह पर सेलोटेप चिपकाकर और हाथ पैर बांधकर की गई थी। वहीं दोनों के बॉडीज पर एक ही कंपनी की कैरी बैग लपटी हुई थी। पुलिस को एक ही शख्स द्वारा दोनों की हत्या करने का शक है। वहीं यह हत्या अनैतिक संबंध या पैसों के लेनदेन के चलते होने का अनुमान लगाया जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

पंकजा ने रैली के लिए महंत को लिखा पत्र

मुंबई। अहमदनगर जिले के भगवानगढ़ में होने वाले दशहरा रैली को लेकर लेकर असमंजस बरकार है। प्रदेश की ग्रामीण विकास मंत्री पंकजा मुंडे ने गढ़ के महंत नामदेव शास्त्री को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने शास्त्री से गढ़ पर आने वाले लोगों को संबोधित करने के लिए 20 मिनट का समय मांगा है। पंकजा ने पत्र में भावनात्मक अपील की है। उन्होंने शास्त्री से कहा है कि, आप बड़े हो जाइए मैं छोटी हो जाती हूं। पंकजा ने कहा, मैं कभी किसी के आगे झुकी नहीं लेकिन मैं समाज के लिए नतमस्तक हो रही हूं। मुझे गढ़ पर केवल 20 मिनट बोलने के लिए समय दीजिए।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ई. निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएम) के लिए आयुक्त की ओर से नीचे दर्शाये निम्नलिखित कार्यों के लिए पैकेट- 'ए' 'बी' और 'सी' सिस्टम में प्रतिशतता दर आधार पर ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

विभाग	हाइड्रोलिक इंजीनियर				
उपविभाग	ई.ई. डब्ल्यू/डब्ल्यू (सिविल) मेन्ट.				
नीलामी संख्या	७१००१०४१३७	७१००१०४२०३	७१००१०४२०४	७१००१०४२२६	७१००१०४२२७
विषय	पूर्वी उपनगरों में एच.ई.एस. विभाग के अधीन विभिन्न पंपिंग स्टेशनों की मरम्मति (पुनर्आमंत्रण-१)	एन वार्ड में कामालेन चॉल घाटकोपर पश्चिम स्थित एन.पी.एस. स्टाफ क्वार्टर का टॉयलेट ब्लॉक और निर्माण। क्रॉस कनेक्शन में आवसीय स्टाफ ४ युनिट चॉल की मरम्मति (पुनर्आमंत्रण-१)	एस वार्ड में पवई स्थित पवई लॉ लेबल में कंट्रोल रूम और पवई हाई लेबल रिजर्वेयर नं. १ और दो में कंट्रोल रूम्स की जनरल तथा स्ट्रक्चरल मरम्मति (पुनर्आमंत्रण-१)	एस वार्ड पवई में सहायक सेक्यूरिटी ऑफिसर, डिवीजन-६ (डब्ल्यू.एस.एस. डी.) के कार्यालय के अहातों में शस्त्रागार का निर्माण (पुनर्आमंत्रण-१)	एस वार्ड में पवई हिल रिजर्वेयर, पवई में स्टॉफ क्वार्टर्स-ए १, ए २, ए ३, ए ४ और ए ५ (२ अदद जी+२ व ३ अदद जी+३ भवन) की बड़ी स्ट्रक्चरल और सामान्य मरम्मति (पुनर्आमंत्रण-१)
निविदा की बिक्री	ता. २८-०९-२०१७ से (अपराह्न २.०० बजे से) ०७-१०-२०१७ (अपराह्न ४.०० बजे तक)				
वेबसाईट	www.portal.mcgm.gov.in				
	संपर्क ऑफिसर				
ए) नाम	श्री गणेश एस. नारबत, सहा. अभियंता, डब्ल्यू.डब्ल्यू. (सिविल) मेंन्ट.				
बी) दूरभाष संख्या कार्यालय	२५१२६३७६				
सी) मोबाईल नं.	९९३०२६०५९१				
डी) ईमेल आईडी	aewwcivilmaintes.he@mcgm.gov.in				

PRO/1165/ADV./17-18

हस्ता/-
डिप्टी. एच.ई. (मेंन्ट)

एक कदम राष्ट्रीयत्वका, नोंदणी करके मतदार बनने का।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आर्थिक हालात की तस्वीर

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने आर्थिक हालात को लेकर जो डरावनी तस्वीर पेश की उसमें उनकी खीझ और कुंठा ही अधिक दिख रही है। ऐसा लगता है कि उनका इरादा आर्थिक स्थिति की समीक्षा करना कम, वित्त मंत्री अरुण जेटली के खिलाफ भड़ास निकालने का अधिक था। उनकी मानें तो वाजपेयी सरकार के समय जब वह वित्त मंत्री थे तो कहीं ढंग से काम होता था, लेकिन एक तो तब से लेकर अब तक गंगा-यमुना में बहुत पानी बह गया और दूसरे यह भी एक तथ्य है कि उन्हें वित्त मंत्रालय से हटाया गया था। निःसंदेह इसका कारण यह तो नहीं ही रहा होगा कि वह वित्त मंत्री के तौर पर प्रभावी साबित हो रहे थे। यह पहली बार नहीं जब यशवंत सिन्हा ने मोदी सरकार के कामकाज से नाखुशी जाहिर की है। वह इसके पहले भी यह काम कर चुके हैं। बहुत दिन नहीं हुए जब उन्होंने कश्मीर समस्या सुलझाने की जिम्मेदारी खुद ही अपने कंधे पर ले ली थी और एक रिपोर्ट भी पेश कर दी थी। हैरत नहीं कि आगे भी वह इसी तरह का काम करते रहें। एक राजनेता के तौर पर उन्हें यह सब करने का अधिकार है, लेकिन अच्छा होता कि एक अर्थशास्त्री के तौर पर वह मौजूदा आर्थिक हालात की जांच-परख नीर-क्षीर ढंग से करते। उन्होंने यही नहीं किया। यह कोई रहस्य नहीं कि जीडीपी में गिरावट दर्ज की गई है और जीएसटी पर अमल के बाद आर्थिक सुस्ती का माहौल बना है। यह पहले से स्पष्ट था कि जीएसटी पर अमल के दौरान बाधाएं आएंगी और उसका कुछ न कुछ असर आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ेगा। यह भी पहले से स्पष्ट था कि नोटबंदी का कुछ न कुछ विपरीत असर जीडीपी के आंकड़ों पर दिखेगा। ऐसा लगता है कि यशवंत सिन्हा ने जानबूझकर इस तथ्य की अनदेखी की कि कालेधन की अर्थव्यवस्था पर लगाम लगाने और कर व्यवस्था में सुधार करने की जरूरत थी। नोटबंदी और उसके बाद जीएसटी पर अमल, दोनों बड़े कदम थे। इनका कुछ न कुछ असर दिखना ही था। चूंकि नोटबंदी का असर खत्म होने के बाद ही जीएसटी पर अमल शुरू हो गया इसलिए हालात एक झटके से उबरने के बाद दूसरे झटके का सामना करने वाले जैसे रहे, लेकिन इसके आधार पर इस नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता कि अर्थव्यवस्था को डुबोने का काम किया गया। यह संभव है कि मोदी सरकार यशवंत सिन्हा के मन मुताबिक फैसले न ले रही हो, लेकिन आर्थिक स्थिति को दुरुस्त करने के लिए उसने एक के बाद एक जो तमाम फैसले लिए हैं उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। इसी तरह इन सब तथ्यों की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि टैक्स देने वालों की संख्या बढ़ी है, सब्सिडी का दुरुपयोग रुका है और वित्तीय समावेशन का दायरा बढ़ा है। आखिर जब कारोबारी माहौल सुगम करने से लेकर देसी-विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने तक के उपाय जारी हैं और आर्थिक सुस्ती का भी संज्ञान ले लिया गया है तब फिर इसका कोई औचित्य नहीं कि मौजूदा आर्थिक हालात को स्थाई समस्या के रूप देखा जाए।

महिला आरक्षण पर बहस की दरकार

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में पारित कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर इस मुद्दे को एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने की कोशिश की है। इस विधेयक को राज्यसभा मार्च 2010 में पारित कर चुकी है, लेकिन लोकसभा से पारित होने की नौबत नहीं आ रही है। सोनिया गांधी के अनुसार मोदी को अपने दलीय बहुमत का लाभ उठाते हुए इसे लोकसभा से पास कराना चाहिए, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि इसे तब लोकसभा में पारित क्यों नहीं कराया गया जब 2014 तक उनकी पार्टी की सरकार थी और कांग्रेस के पास लोकसभा में बहुमत भी था? आधी आबादी के प्रति सोनिया गांधी का आरक्षण प्रेम अचानक कहां से जाग गया? यह 2019 के लोकसभा चुनावों की तैयारी का आगाज तो नहीं? क्या आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस महिलाओं पर अपना दांव तो नहीं लगा रही? महिलाएं पहले भी चुनावों में अहम भूमिका निभाती रही हैं, लेकिन शिक्षा और सोशल मीडिया द्वारा चेतना बढ़ने से अब वे अपने परिवार की गिरफ्त से निकल कर भी मतदान कर रही हैं। उत्तर प्रदेश में हाल के विधानसभा चुनावों में कुछ मुस्लिम महिलाओं द्वारा भाजपा के पक्ष में मतदान करना इसे दशार्ता है।

देश में करीब 60 करोड़ महिलाएं हैं। 2014 के लोकसभा चुनावों में महिला मतदाताओं की संख्या लगभग 40 करोड़ थी। यह संख्या 2019 में और भी बढ़ जाएगी। ऐसे में कोई एक मुद्दा जो महिलाओं के मनोविज्ञान को प्रभावित कर सके, बहुत ही प्रभावी चुनावी हथियार हो सकता है। क्या सोनिया गांधी इसी हथियार की धार को तेज कर रहीं हैं? जो भी हो, क्या हम चुनावों में विजय-पराजय से आगे निकल कर देशहित में भी हम कुछ सोचेंगे? स्वतंत्रता-पर्व पर 1947 में हमने एक प्रयोग किया था। अपनी समाजिक संरचना को लोकतांत्रिक बनाए बिना हमने राजनीति का लोकतांत्रिक स्वरूप स्वीकार कर लिया था। उसके दुष्परिणाम आज 70 वर्षों के बाद हम महसूस कर रहे हैं। वर्ष 1992 में हमने दूसरा प्रयोग किया और समाज में महिलाओं को बिना स्वतंत्रता दिए उनको स्थानीय राजनीति में धकेल दिया। गांव और शहर में 33 प्रतिशत सीटें पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिलाओं के लिए आरक्षित कर दी गईं। चाहे हम कितना भी गौरव करें, जमीनी हकीकत यही है कि 25 वर्षों बाद आज भी स्थानीय सरकारों में चुनी गई अधिकतर महिलाओं के पिता, पति या भाई एक छद्म जनप्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं और महिलाओं का नाम केवल कागज में चलता है। इसके कुछ अपवाद भी हैं और इस स्थिति में कुछ परिवर्तन भी आया है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति काफी कुछ जस की तस है।

महिला आरक्षण के पक्ष में बात करना सुविधाजनक है। इसका विरोध आपत्तिजनक है, लेकिन इस मुद्दे पर देश में कभी गंभीर बहस हो नहीं पाई, क्योंकि यह न केवल राजनीतिक वरन पारिवारिक और सामाजिक दृष्टि से भी संवेदनशील है। महिला आरक्षण विधेयक को सबसे पहले प्रधानमंत्री देवगौड़ा (1996), गुजराल (1997) और वाजपेयी (1998) की सरकारों ने प्रस्तुत करने का असफल प्रयास किया। उस समय यादव-ब्रिगेड शरद यादव-मुलायम सिंह यादव-लालू यादव ने महिला-आरक्षण का जबरदस्त विरोध करते हुए कहा था कि इससे परकटी (अर्थात अभिजात्य वर्ग की) महिलाओं का ही प्रभुत्व बढेगा। उन्होंने इसकी मांग की थी कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण में दलित और पिछड़े वर्ग की महिलाओं को अलग से आरक्षण मिले। बात केवल हिस्सेदारी पर अटक गई, उसके औचित्य और परिणाम पर किसी का ध्यान ही नहीं गया। यह कैसी लोकतांत्रिक राजनीति है कि समाज के प्रत्येक वर्ग को उसकी जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी दे दी जाए चाहे वह उसका पात्र हो या न हो? इससे केवल अयोग्यतावाद ही पनपेगा और उसका खामियाजा देश को उठाना पड़ेगा।

क्यों हमें हर समस्या का समाधान आरक्षण में ही दिखाई देता है? क्या लैंगिक-समानता स्थापित करने का कोई और तरीका नहीं? जिन देशों में लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण एक प्रतिमान के रूप में स्थापित हैं क्या उसे आरक्षण के माध्यम से प्राप्त किया गया? अमेरिका, इंग्लैंड, यूरोपीय और अन्य देशों से हम क्यों नहीं सीख सकते? भारत में जब स्त्री-पुरुष समता थी तो कौन सा आरक्षण था? क्यों नहीं हमारा ध्यान इस पर जाता कि शिक्षा, स्वास्थ्य और वित्तीय समावेशन में महिलाओं की भागीदारी बढ़े, क्योंकि इससे शेष सब स्वयं ही ठीक हो जाएगा। आज महिलाओं का समाज में जो योगदान बढ़ा है वह किसी आरक्षण से नहीं, वरन शिक्षा से संभव हुआ है। यह संभव है कि संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के बाद आरक्षित सीटों पर केवल वे ही महिलाएं प्रत्याशी बने जो स्थापित राजनीतिज्ञों के घर की हों। दूसरा आपतिजनक पक्ष यह है कि महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें अगले दो चुनावों में आरक्षित नहीं होंगी। इसका दुष्परिणाम यह होगा कि महिला जनप्रतिनिधियों के पास अपने निर्वाचन क्षेत्र में काम करने का कोई इंसेंटिव नहीं होगा, क्योंकि अगली बार उसकी सीट गैर आरक्षित हो जाएगी और वह वहां से चुनाव नहीं लड़ सकेगी। क्या महिला-आरक्षण से महिला-सशक्तीकरण, न्याय और समानता तक पहुंचा जा सकता है?

क्या कुछ हजार महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में पहुंचा कर 60 करोड़ महिलाओं के सशक्तीकरण की परिकल्पना की जा सकती है? यह न केवल महिलाओं, वरन पूरे समाज को धोखे में रखने वाली बात है, क्योंकि संसद और विधानसभाओं में महिलाएं पार्टी लाइन से हटकर कुछ नहीं कर सकेंगी। संविधान का 52वां संशोधन उन्हें इसकी इजाजत भी नहीं देता। शासन एक गंभीर विषय है और उन लोगों के हाथों में नहीं सौंपा जा सकता जो अनिच्छुक हैं। बेहतर होता कि पहले हम कानून द्वारा पार्टियों को बाध्य करते कि वे पार्टी में सभी पदों पर महिला आरक्षण लागू करें। कुछ राज्यों जैसे बिहार ने पंचायतों और नगरपालिकाओं में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण का पहले ही प्रावधान कर दिया है। सवाल यह भी है महिला आरक्षण लागू होने पर उसका लाभ मुस्लिम महिलाओं को कैसे मिलेगा? यदि संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण का मॉडल वही रहा जो पंचायत और नगरपालिकाओं में है तब तो मुस्लिम महिलाएं उसके लाभ से वंचित रह जाएंगी, जबकि सबसे ज्यादा महिला सशक्तीकरण की जरूरत मुस्लिम महिलाओं को ही है। इसलिए 73वें और 74वें संविधान संशोधन में सुधार किया जाए कि किस तरह स्थानीय सरकारों के स्तर पर मुस्लिम महिलाओं को भी उसका लाभ मिले। यह भी देखना होगा कि महिला आरक्षण से समाज में महिला-पुरुष के बीच की खाई और गहरी न हो जाए और गिरती राजनीतिक संस्कृति के कारण महिलाओं के चयन में राजनीतिक दलों और उनके नेताओं द्वारा महिलाओं के शोषण की प्रवृत्ति को बढ़ावा न मिले।

किसानों का हित

बालिका देखभाल केंद्र में छेड़छाड़ का मामला बच्चियों की बहादुरी से सामने आ गया लेकिन कई मामले लोगों की चुप्पी के कारण सामने नहीं आ पाते

देवभूमि के नाम से जाने जाते पहाड़ी प्रदेश हिमाचल के परिवेश में कुछ लोगों की सोच में बढ़ता प्रदूषण चिंताजनक है। यह शर्मनाक है कि विकृत सोच रखने वाले ऐसे लोग महिलाओं को उनके हिस्से का सम्मान नहीं दे रहे और उन्हें केवल भोग की वस्तु मानते हैं। कुछ लोगों की काली करतूतों के कारण प्रदेश की छवि प्रभावित हो रही है। चिंता इसलिए भी बढ़ जाती है कि प्रदेश में महिलाओं से छेड़छाड़ व दुष्कर्म के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। सिर्फ महिलाएं ही नहीं छोटी उम्र की बच्चियां भी सुरक्षित नहीं हैं। चंबा जिले के चिल्ली के बालिका देखभाल केंद्र की घटना झकझोड़ने वाली है, जहां तीन कर्मचारी ही बालिकाओं से छेड़छाड़ करते रहे। सुखद है कि मामला सामने आते ही तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। यह मामला तो पीड़ित बच्चियों की बहादुरी के कारण सामने आ गया लेकिन प्रदेश में ऐसे कई मामले हैं, जहां महिलाएं या परिवार के लोग लोकलाज के कारण चुप रहना बेहतर समझते हैं। यही चुप्पी ऐसे अपराधियों का हौसला बढ़ाती है और पीड़ित पक्ष को निराशा से भर देती है। समाज चाहे कितना ही विकसित होने का राग अलापता रहे लेकिन जब तक ऐसे मामलों पर विराम नहीं लगता, सभ्य समाज की परिकल्पना को साकार नहीं किया जा सकता। बेटे-बेटी के अंतर को पाटने के तमाम अभियान व प्रयासों का परिणाम उस समय शून्य हो जाते हैं, जब ऐसे मामले सामने आते हैं। पुरुष प्रधान समाज की मानसिकता से निकलने का हौसला कब आएगा, इस सवाल का जवाब मिलना भी मुश्किल है। बेटियां तभी अनमोल हो सकेंगी, जब समाज उनकी कद्र करने लगेगा। उन्हें ऐसा परिवेश देना होगा कि वे घर के अंदर ही नहीं बल्कि बाहर भी सुरक्षित महसूस कर सकें। उनमें भी उड़ान भरने की ललक है, लेकिन मौका तो समाज को ही देना होगा। सरकारी स्तर पर चले बेटी है अनमोल, मेरी लाडली व बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों की सार्थकता तभी है जब लोग जागें। समाज में बेटियों की स्वीकार्यता बढ़ी तो है, लेकिन अभी इस दिशा में काफी कुछ किया जाना शेष है और समय की जरूरत भी। महिलाओं के खिलाफ अपराध में शामिल लोगों को बेनकाब करना होगा और उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचने के लिए सबको आगे आना होगा। समझना होगा कि नारी सशक्तीकरण से ही समाज सशक्त हो सकेगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आदर्श घोटाला : सीबीआई ने किया दावा

पूर्व सीएम चव्हाण के खिलाफ पर्याप्त सबूत

मुंबई। विवादित आदर्श सोसायटी मामले में आरोपी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व सासंद अशोक चव्हाण की मुश्किलें बढ़ सकती है। बुधवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता हितेन वेणेगावंकर ने बॉम्बे हाईकोर्ट को सूचित किया है कि, आदर्श मामले में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण को आरोपी न बनाए जाने से जुड़ा उनका आवेदन खामीपूर्ण था।

फिलहाल सीबीआई के पास चव्हाण के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। उन्होंने कहा कि इस बात से सुप्रीम कोर्ट को भी अवगत करा दिया गया है। हाईकोर्ट में अशोक चव्हाण की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई चल रही है। याचिका में चव्हाण ने राज्यपाल सी.विद्यासागर राव के उस निर्णय को चुनौती दी है जिसके तहत राज्यपाल ने सीबीआई को चव्हाण के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी प्रदान की है। इससे पूर्व एडिशनल सालिसिटर जनरल अनिल सिंह ने कहा, राज्यपाल ने नियमों के तहत चव्हाण के खिलाफ मकुदमा चलाने की मंजूरी प्रदान की है। आदर्श मामले में न्यायिक आयोग की रिपोर्ट के अलावा याचिकाकर्ता (चव्हाण) के खिलाफ काफी सबूत हैं। हाईकोर्ट में गुरुवार को भी इस मामले की सुनवाई जारी रहेगी। गौरतलब है कि चव्हाण पर बतौर मुख्यमंत्री आदर्श सोसायटी को फायदा पहुंचाने का आरोप है।

हाईकोर्ट ने पूछा–पहले क्यों कहा, सबूत नहीं

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति आरवी मोरे व न्यायमूर्ति साधना जाधव की खंडपीठ ने सीबीआई से सवाल किया कि, पहले उन्होंने निचली अदालत में यह आवेदन क्यों दायर किया कि उनके पास चव्हाण के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सबूत नहीं है। इसलिए उनका नाम आरोपियों की सूची से हटा दिया जाए। वह यह भी कह सकती थी कि वह सबूत जुटा रही है। पर उसने सीधे नाम हटाने का आवेदन क्यों दायर किया? इसके जवाब में सीबीआई के वकील वेणेगावंकर ने कहा, सीबीआई ने पहले चव्हाण का नाम हटाने को लेकर सीबीआई की विशेष अदालत में आवेदन दायर किया था, जिसे विशेष अदालत ने खारिज कर दिया था। विशेष अदालत के फैसले के खिलाफ सीबीआई ने हाईकोर्ट में आवेदन दायर किया था, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। और निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा था। सीबीआई ने हाईकोर्ट के निर्णय को चुनौती नहीं दी है। उन्होंने कहा कि, फिलहाल सीबीआई के पास चव्हाण के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

चप्पलों के सोल में छिपा कर लाए थे गोल्ड

जांच में 38 किलो सोना बरामद

मुंबई। बुधवार को कस्टम डिपार्टमेंट की स्कैनिंग टीम को शिवड़ी डॉक में कुछ कंटेनरों अंदर से 38 किलो सोना बरामद हुआ है। जांच में सामने आया है कि, इन्हें चप्पलों, सैंडिल के तले (सोल) में छिपाकर लाया गया था। इंडियन मार्केट में इस गोल्ड की कीमत तकरीबन 11 करोड़ के आसपास बताई जा रही है। डॉक में रखे अन्य कन्टेनरों की तलाश अभी जारी है। जांच अधिकारियों का मानना है कि, अभी और गोल्ड मिल सकता है। जांच में सामने आया है कि, मुंबई की रहमान इंटरप्राइजेज नाम की कंपनी ने इसे चीन से मंगाया है। इसका क्लियरिंग एजेंट लगभग हर महीने कस्टम के कुछ विशेष अधिकारियों के मार्फत 30-40 कंटेनर माल मंगाता है, जिसे पहले भी तलवारों और सिगरेट की तस्करी के लिए गिरफ्तार किया जा चुका है। कस्टम कमिश्नर प्राची स्वरूप ने बताया कि, जिन कंटेनरों की जांच की गई है, वह कई दिन से डॉक पर पड़े थे। कंटेनरों में रखे चप्पलों और जूतों को उठाया गया तो उनका वजन जरुरत से ज्यादा था। इसके बाद शक के आधार पर एक सेंडिल को बीच से काटा गया तो उसमें गोल्ड का बिस्कुट मिला। इसके बाद सभी चप्पलों की जांच में उनके तालों से गोल्ड के बिस्कुट बरामद हुए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

बुरे फंसे राणे!

सूत्रों के अनुसार भाजपा कार्यकारिणी बैठक के दौरान पार्टी अध्यक्ष अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की थी। रणनीति के मुताबिक शाह और राणे की मुलाकात होगी भी या नहीं, इसका फैसला फडणवीस और महाराष्ट्र भाजपा की प्रभारी महासचिव सरोज पांडे पर छोड़ दिया गया है। इस मुद्दे पर दोनों 2 अक्टूबर को बैठक करेंगे। दरअसल, राणे पहले शिवसेना छोड़कर कांग्रेस में गए थे। अब वादाखिलाफी के आरोप जड़कर कांग्रेस भी छोड़ दी। उनके भाजपा में आने पर शिवसेना ने गठबंधन तक तोड़ने की धमकी दे रखी है। सूत्रों के मुताबिक भाजपा पहले राणे की ताकत आजमाएगी। अगर वह सफल हुए तो उनकी पार्टी से गठबंधन कर शिवसेना का साथ छोड़ने का जोखिम भी उठाया जा सकता है।

हरियाणा पुलिस की हनीप्रीत को...

हरियाणा पुलिस ने हनीप्रीत को बड़ा अल्टीमेटम दिया है। एडीजीपी मोहम्मद अकील ने कहा है कि हनीप्रीत सरेंडर कर दे। अगर वह ऐसा नहीं करती है तो उसे भगोड़ा घोषित कर दिया जाएगा। राम रहीम के जेल जाने के बाद से हनीप्रीत का कुछ अता पता नहीं है। वो लगातार अपने ठिकाने बदल रही है। उसके मामा का दावा है कि हनीप्रीत बिल्कुल शातिर नहीं है ऐसे में वो अकेली नहीं छिप सकती। इसलिए ये सवाल खड़ा होना लाजमी है कि हनीप्रीत को कौन बचा रहा है? हनीप्रीत के वकील प्रदीप आर्या के दिल्ली के लाजपत नगर ऑफिस में दिल्ली पुलिस की टीम जांच में जुटी है। हनीप्रीत के वकील ने खुद दावा किया था कि दिल्ली हाईकोर्ट में जमानत की अर्जी दाखिल करने के लिए हनीप्रीत बुर्के में उनके ऑफिस आई थी। हनीप्रीत के ऑफिस से निकलने के बाद प्रदीप आर्या भी हनीप्रीत के पीछे भागते नजर आए थे। 26 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट में हनीप्रीत की जमानत अर्जी खारिज होने के बाद कल दिल्ली पुलिस ने प्रदीप आर्या के घर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज खंगाला था।

मुलायम से मिले अखिलेश

सुनील के मुताबिक मुलायम ने राष्ट्रीय अधिवेशन का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। अखिलेश की मुलायम से मुलाकात कई महीनों बाद हुई है। मालूम हो कि एसपी संस्थापक मुलायम ने बीते 25 सितम्बर को लखनऊ में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि चूंकि अखिलेश उनके पुत्र हैं, लिहाजा उनके साथ उनका आशीर्वाद है, लेकिन उनके कुछ फैसलों से वह सहमत नहीं हैं। माना जा रहा था कि इस संवाददाता सम्मेलन में मुलायम, एसपी से अलग होकर कोई नई पार्टी बनाएंगे लेकिन उन्होंने इससे साफ इनकार कर दिया था। इससे पहले 23 सितंबर को पार्टी के प्रान्तीय अधिवेशन में अखिलेश ने मुलायम का जिक्र करते हुए कहा था कि नेताजी का आशीर्वाद उनके साथ है। वह उनके आंदोलन को ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। संवाददाता सम्मेलन के दौरान मुलायम के वरिष्ठ सहयोगी पूर्व मंत्री शारदा प्रताप शुक्ल ने उन्हें एक और प्रेस नोट उठाकर दिया था, लेकिन मुलायम सिंह ने उसे नहीं पढ़ा था। मीडिया में लीक हुए उस प्रेस नोट में अलग पार्टी बनाने की बात लिखी थी। ऐन वक्त पर मुलायम के इस रुख को अखिलेश के विरोधी शिवपाल यादव गुट के लिए झटका माना जा रहा है। पूर्व मंत्री शारदा प्रताप शुक्ल ने मुलायम पर अपने बेटे अखिलेश से मिले होने का आरोप लगाया है। मुलायम के साथ मिलकर एक अलग मोर्चा बनाने की ख्वाहिश रखने वाले लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह ने भी कहा था कि मुलायम ने प्रेस कांफ्रेंस में वह प्रेस नोट नहीं पढ़ा, जो उन्हें पढ़ना था।

कुल्हाड़ी से लड़ते शहीद...

पुलिस ने बताया कि उत्तर कश्मीर के बांदीपुरा इलाके में बुधवार रात करीब 9:25 बजे रमीज, उनके दो भाई और पिता उनकी रिश्तेदार हब्बा बेगम के घर पर थे और आपस में बातचीत कर रहे थे। चश्मदीदों के अनुसार, रमीज फोन पर बात कर रहे थे, तभी दो आतंकवादी बाइक से आए और रमीज से पहचान-पत्र मांगने लगे। लड़ाकू प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके रमीज को एक कुल्हाड़ी मिल गई, जिससे उन्होंने आतंकवादियों से मुकाबला किया और उनमें से एक को जख्मी कर दिया। हालांकि, इस लड़ाई में हब्बा बेगम भी जख्मी हो गईं। दोनों आतंकी वहां से भाग गए। पुलिस ने बताया कि रमीज पास के घर में गए ताकि कपड़े बदल सके और हब्बा बेगम को अस्पताल ले जा सके। लेकिन करीब 15 मिनट बाद ही चार आतंकवादी रमीज के एक मंजिले घर में घुस आए और उन्हें पकड़ लिया। रमीज के पिता और दोनों भाइयों ने आतंकवादियों से गुहार लगाई कि वे उन्हें छोड़ दें, लेकिन दहशतगर्दों ने उनकी एक न सुनी। बीएसएफ जवान को पहले चाकू मारा और बाद में काफी करीब से दो गोलियां मारी गईं। एक गोली उनके सिर जबकि दूसरी उनके पेट में मारी गई। बीएसएफ की 73वीं बटालियन में बारामुला में तैनात रमीज 26 अगस्त को छुट्टी पर आए थे, ताकि पोर मोहल्ले में स्थित अपने घर की मरम्मत करा सकें और अपने दो भाइयों के लिए बेहतर नौकरी की संभावनाएं तलाश सकें। वह अपने परिवार में कमाने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। चश्मदीदों की मदद से पुलिस रमीज की हत्या की गुत्थी सुलझाने की कोशिश में जुटी है। उनके पिता और दो भाई भी अस्पताल में भर्ती हैं जिनमें से पिता की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस महानिदेशक एस.पी. वैद्य के मुताबिक, रमीज की हत्या लश्कर-ए-तैयबा के मोहम्मद भाई गिरोह की करतूत है।

अक्टूबर से होनेवाले इस 5 बदलाव से आपकी जेब पर होगा सीधा असर

1 अक्टूबर से आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन से जुड़े कई बदलाव होने जा रहे हैं। ये बदलाव जहां हमारी जेब पर असर डालते हैं, वहीं हमारी बैंकिंग व्यवस्था से लेकर हमारी खरीदारी से जुड़े हैं। आने वाले दिनों में इन बदलावों के चलते जहां लोगों को कुछ फायदे होने जा रहे हैं, वहीं कुछ मामलों में ये नियम लोगों पर भारी भी पड़ सकते हैं। अगर आपको इसकी जानकारी नहीं है तो फिर जान लें क्योंकि इससे आपको फायदा मिलने वाला है।

☞ **SBI का ग्राहकों को तोहफा**
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मेट्रो और शहरी भाग में बचत खातों पर मिनिमम मंथली बैलेंस को घटा दिया है। इन्हें अब बैंक ने 5000 से 3000 रुपए कर दिया है। यह भी 1 अक्टूबर से लागू हो जाएगा। अगर एस.बी.आई. में आपका खाता है और आप इसे बंद करवाना चाहते हैं, तो 1 अक्टूबर से इसके लिए आप से कोई चार्ज नहीं वसूला जाएगा। हालांकि यह सुविधा खाता खोलने के 14 दिन तक और 1 साल बाद खाता बंद करने पर मिलेगी। 14 दिन के बाद और 1 साल से पहले बंद करने पर 500 रुपए के साथ जी.एस.टी. लगेगा।

☞ **पुराने टफ्फ पर नहीं बिकेगा सामान**
1 अक्टूबर से कोई भी दुकानदार पुराने एम.आर.पी. पर सामान नहीं बेच सकेगा। 1 तारीख से सभी को नई एम.आर.पी. के साथ सामान बेचना होगा। ऐसा न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने साफ कह दिया है कि 30 सितंबर के बाद नए एम.आर.पी. पर सामान बेचना होगा और ऐसा न करने वालों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

☞ **कॉल रेट हो सकते हैं कम**
आपको सस्ते कॉल रेट्स की सौगात भी मिल सकती है। ट्राई ने 1 अक्टूबर से इंटरकनेक्शन चार्जेस (आई.यू.सी.) घटाने की घोषणा की है। इस फैसले के लागू होने पर टेलिकॉम कंपनियां आपको सस्ते कॉल का तोहफा दे सकती हैं।

☞ **नहीं चलेंगे इन बैंकों के चेक**
जिन सहयोगी बैंकों का एस.बी.आई. के साथ विलय हुआ है, उनके चेक 1 अक्टूबर से नहीं चलेंगे। इन सहयोगी बैंकों के ग्राहकों को एस.बी.आई. के नए चेक लेने होंगे। अगर आपने ऐसा अभी तक नहीं किया है, तो 1 अक्टूबर से पहले-पहले इस काम को जरूर निपटा लें। एस.बी.आई. में स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, स्टेट बैंक ऑफ पटियाला, स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर और भारतीय महिला बैंक का विलय हो चुका है।

☞ **टोल पर बिना रुके निकल सकेंगे आप**
अब आप सभी नेशनल हाइवे पर बने सभी टोल प्लाजा पर बिना रुके तेजी से निकल सकेंगे। अब आपको टोल पर रुककर अपना समय बर्बाद करने की जरूरत नहीं होगी। दरअसल सभी टोल प्लाजा पर फास्टैग लेन बन गए है और 1 अक्टूबर से उनका संचालन भी शुरू हो जाएगा। जिसके बाद फास्टैग लगे वाहन बिना रुके गुजर सकेंगे।

दबाव के आगे झुकी मोदी सरकार पेट्रोल की कीमतों पर लगी ब्रेक

पेट्रोल की कीमतों को लेकर हुई चौतरफा घेराबंदी के आगे मोदी सरकार झुकती हुई नजर आ रही है तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पिछले 15 दिनों में कच्चे तेल के दाम में तेजी व रुपए में जबरदस्त गिरावट के बावजूद पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़ाए हैं। 12 सितंबर को कच्चे तेल का दाम 3443 रुपए प्रति बैरल था जबकि पेट्रोल का दाम 70.38 पैसे प्रति लीटर था।

आज कच्चे तेल के दाम 3728.70 रुपए प्रति बैरल है जबकि पेट्रोल के दाम महज 3 पैसे बढ़े हैं और दिल्ली में 27 सितंबर को पेट्रोल का दाम 70 रुपए 41 पैसे प्रति लीटर रहा यही हाल डीजल का भी है। डीजल के दाम में 4 पैसे प्रति लीटर की गिरावट देखी गई है। दिल्ली में 13 सितंबर को डीजल का भाव 58.72 रुपए प्रति लीटर था जो अब 58.68 रुपए प्रति लीटर है। सरकार ने 16 जून से कच्चे तेल की अंतराष्ट्रीय कीमतों के आधार पर पेट्रोल और डीजल के दाम रोजना निर्धारित करने का फैसला किया था जिस दौरान ये फैसला लागू हुआ उस दिन कच्चा तेल 2931 रुपए प्रति बैरल था जबकि पेट्रोल के भाव 65.48 रुपए प्रति लीटर थे। 16 जून के बाद अबतक कच्चे तेल के दाम करीब 800 रुपए प्रति बैरल बढ़े हैं जबकि पेट्रोल की कीमतों में 4.93 रुपए प्रति लीटर के वृद्धि हुई है।

यदि मुंबई में पेट्रोल की कीम 80 रुपए लीटर पहुंचने के बाद सरकार पर चौतरफा दबाव न बढ़ता तो पिछले 15 दिन में तेल मार्केटिंग कंपनियां पेट्रोल और डीजल के दाम 2 से तीन रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा देती क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है और रुपया भी लगातार गिर रहा है जिससे तेल कंपनियों की लागत बढ़ी है आपनी इस लागत को पूरा करने के लिए तेल कंपनियां 1 अक्तूबर को एटीएफ (एयर ट्रबाइनल फ्यूल) के दाम 4 से 5 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा सकती है। वैसे भी सरकार पिछले 3 साल में एयरलाइंस के प्रति मेहरबान रही है और एटीएफ के दाम में ज्यादा वृद्धि नहीं की गई है।

आज से 4 दिन तक बंद रहेंगे बैंक, पैसों की हो सकती है किल्लत

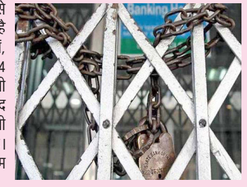

अगर आपका बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है तो उसे आज ही निपटा लें, क्योंकि शुक्रवार से बैंकों में 4 दिन की लंबी छुट्टी रहने वाली है । लगातार 4 दिन बैंक बंद रहने की सूरत में एटीएम में भी कैश की किल्लत हो सकती है। अक्सर ऐसी हालत में एटीएम भी कैश से खाली हो जाते हैं।

इस हफ्ते में आप अपने सभी काम नेट बैंकिंग और ए.टी.एम. के जरिए निपटा सकते है। छुट्टी के कारण लोगों को ज्यादा परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए शहर में लगे सभी ए.टी.एम. में पैसों का इंतजाम कर दिया जाएगा। ए.टी.एम. में पैसे डालने का कॉन्ट्रैक्ट अब अधिकतर बैंक निजी कंपनियों को देने लगे हैं, जिससे इस परेशानी से छुटकारा मिल चुका है।

ये है बैंकों में छुट्टी का शेड्यूल

- **29 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर के 4 दिनों तक बैंक बंद रहेंगे।**
- **29 सितंबर- दुर्गा नवमी की छुट्टी**
- **सितंबर- विजयादशमी या दशहरा की छुट्टी**
- **अक्टूबर- रविवार की छुट्टी-2 अक्टूबर-गांधी जयंती का अवकाश**

ब्राईट ऑउटडोर के मालिक योगेश लखानी ने अपना जन्मदिन अनाथ बच्चों के साथ मनाया

ब्राईट के योगेश लखानी जो बॉलीवुड में बहुत बड़ा नाम है ,वो हर साल अपना जन्मदिन एन जी ओ के अनाथ बच्चों के साथ ऑरेंगे में मनाया। बाद में वृद्ध आश्रम में जाकर लोगों को खाना खिलाया। सुबह से लेके शाम तक इन्होने कई जगह पे केक काटा। कुल मिलकर 15 से ज्यादा केक काटा। योगेश लखानी ने कहा - जन्मदिन का हर पर यादगार रहा ,लोगों के लिए कुछ कर पाया ,ये सोचकर अच्छा लगा। मैं सबसे पहले भगवान ,फिर अपने माता पिता और बाद में परिवार और दोस्तों का शुक्रिया करता हूँ जिन्होंने मेरे जन्मदिन को यादगार बनाया।

रितेश देशमुख बनें टैब कैपिटल के ब्रांड एम्बेसडर

अवार्ड-विजेता यह एनबीएफसी विश्वसनीयता, सुलभता और जन-अपील की विशेषताओं को दर्शाती है

पुणे स्थित और देश की तेजी से उभर रही एनबीएफसी टैब कैपिटल लिमिटेड ने रितेश देशमुख को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। टैब कैपिटल वित्तीय उत्पादों और प्रौद्योगिकी-केंद्रित उधारी उपायों और सुगमता के संदर्भ में भी बहुमुखी प्रतिभा का पर्याय है। रितेश देशमुख अपनी विश्वसनीयता, व्यापक लोकप्रियता और सभी उम्र वर्गों में अपनी खास पहचान को देखते हुए इस ब्रांड के लिए उपयुक्त चेहरा हैं। उनका ब्रांड एम्बेसडर की जिम्मेदारी के लिए चयन कर टैब कैपिटल विभिन्न ऑफलाइन और ऑनलाइन मार्केटिंग मैटेरियल्स एवं कॉलेटरल्स पर साथ काम करेगी।

टैब कैपिटल के साथ अपनी भागीदारी के बारे में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रितेश देशमुख ने कहा, एक ऐसे प्रख्यात डिजिटल लेंडिंग

देगी कंपनी अपने ग्राहकों के प्रति दोस्ताना और बेहद प्रभावी दृष्टिकोण अपनाती है, जिससे किसी वित्तीय संस्था से संपर्क करने से जुड़ी उनकी चिंताएं दूर होती हैं।

टैब कैपिटल लिमिटेड के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक सीए अभय भुतड़ा ने कहा, ह्यरितेश देशमुख इस संगठन का ब्रांड एम्बेसडर बनने के लिए उपयुक्त हैं क्योंकि उनमें लर्निंग, ग्रोथ और एक्सेसिबिलिटी की वह समान भावना मौजूद है जिसके लिए टैब कैपिटल को जाना जाता है। इसके अलावा, रितेश सभी क्षेत्रों और वर्गों के लोगों द्वारा पसंद किया जाता है। साथ ही, सोशल नेटवर्कों पर उनकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए भी हमें विश्वास है कि वे टैब कैपिटल के ब्रांड एम्बेसडर के लिए पूरी तरह उपयुक्त होंगे।

एनबीएफसी टैब कैपिटल के साथ जुड़ना खुशी की बात है जो सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों, खासकर सुविधाओं से वंचित एमएसएमई की जरूरतें पूरी करती है। टैब कैपिटल की खासियत यह है कि वह फंडिंग को डिजिटली तौर पर और महज दो दिन में पूरी कराती है। देश में डिजिटलीकरण में आ रही तेजी के साथ अब टैब कैपिटल आज के उद्यमों को सशक्त बनाने में अहम योगदान

अभी से शुरू कर दें तैयारी, निकलने वाली हैं 20 लाख सरकारी नौकरियां

मोदी सरकार बेरोजगारी की समस्या को लेकर कितनी चिंतित है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सरकारी कंपनियों में खाली पड़े पदों को भरने के लिए बड़ी योजना बनाई जा रही है। इसके तहत केंद्र और राज्य सरकार के तहत आने वाले विभागों में 20 लाख खाली पदों को भरा जाएगा। इनमें से अकेले रेलवे में ही सुरक्षा संबंधी मामलों के लिए दो लाख से अधिक लोगों को नौकरी दी जानी है।

भर्तियों की शुरूआत केंद्रीय मंत्रालयों और पब्लिक सेक्टर की 244 कंपनियों से हो सकती है। इस पहल की शुरूआत श्रम मंत्रालय की ओर से हुई है। श्रम मंत्रालय केंद्र सरकार के विभागों और संस्थानों में खाली पड़े पदों की संख्या पता कर रहा है। इसके बाद वह एक विस्तृत योजना पेश करेगा, जिसमें दिहाड़ी, साप्ताहिक और मासिक आधार पर इन पदों को भरने की योजना होगी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रशासनिक खर्च कम करने के लिए सरकारों ने भर्तियों पर रोक लगा दी थी। आने वाले कुछ महीनों में सरकार इन खाली पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू करेगी, जिससे यह सिलसिला टूटेगा। गौरतलब है कि जॉबलेस ग्रोथ को लेकर मोदी सरकार की आलोचना हो रही है।

इसका जवाब देने के लिए मोदी सरकार यह कदम उठाने जा रही है। केंद्र सरकार ऐसे समय में इन पदों को भरने जा रहा है, जब राजकोषीय घाटे को कम करने के लक्ष्य को हासिल करने का दबाव बढ़ रहा है।

माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्रालयों के स्तर पर छह लाख से अधिक पद खाली हैं। यदि इन पदों को भरने का अभियान सफल होता है, तो राज्यों में भी इसे लागू किया जाएगा। इससे देश में करीब 20 लाख लोगों को नौकरी मिल सकेगी। बताते चलें कि वित्त वर्ष 2012 में देश में कुल 47.36 करोड़ लोग रोजगार में लगे थे, जिनमें से 23 करोड़ लोग कृषि और 24 करोड़ लोग इंडस्ट्री व सर्विस सेक्टर में काम कर रहे थे।

30 साल में 6 बार इस शख्स को निकाला नौकरी से, हर बार लड़कर पाया हक

कर्नाटक सिल्क इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन में काम कर रहे 49 साल के वाईएन कृष्ण मूर्ति की कहानी काफी दिलचस्प है। उन्होंने जितना समय नौकरी करने में बिताया है, उससे ज्यादा समय तक वह कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटते रहे हैं। बीते 30 सालों में उन्हें अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के आरोप में छह बार नौकरी से निकाल दिया गया।

कोर्ट के आदेश पर उन्हें कॉर्पोरेशन से मुआवजे के साथ ही नौकरी वापस मिलती रही है। हाई कोर्ट ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि 25 साल तक मूर्ति प्रोबेशन पर कैसे बने रहे। कोर्ट ने कहा कि हर बार मूर्ति को गलत व्यवहार के लिए नौकरी से निकाला गया। यदि वह योग्य नहीं थे, तो उन्हें उस आधार पर ही निकाला जा सकता था।

कोर्ट ने विभाग की जांच को भी अस्पष्ट बताते हुए कहा कि उसमें प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ है। इस बार भी कोर्ट ने मूर्ति की नौकरी को बहाल करने का आदेश देने के साथ ही उन्हें नहीं मिली आय का 50 प्रतिशत देने के भी आदेश भी कॉर्पोरेशन को दिए हैं।

इसके अलावा कॉर्पोरेशन को 25 हजार रुपए का मुआवजा भी मूर्ति को देने के लिए कहा गया है। कोर्ट ने कहा है कि यदि जरूरी हो तो कॉर्पोरेशन याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई भी विभागीय जांच करा सकता है, लेकिन उसमें न्याय का पालन करना होगा।

एक साल का प्रोबेशन पीरियड बढ़ता ही गया

मूर्ति ने 11 सितंबर 1987 को बतौर असिस्टेंट सेल्स ऑफिसर नौकरी शुरू की थी। उस वक्त कहा गया था कि उनका प्रोबेशन पीरियड एक साल का होगा। मगर, बाद में कॉर्पोरेशन ने कहा कि अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के कारण मूर्ति का प्रोबेशन पीरियड मार्च 1994 तक बढ़ा दिया जाए।

उसके बाद कॉर्पोरेशन ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया। मूर्ति ने कॉर्पोरेशन के इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट का रुख किया। तीन जजों की बेंच ने 2-1 से फैसला उनके पक्ष में सुनाया और उनकी नौकरी बहाल हो गई।

इसके बाद उन्हें पांच बार और कॉर्पोरेशन की नौकरी से निकाला गया। मगर, हर बार वह कोर्ट की मदद से नौकरी वापस पाने में सफल रहे। हाल ही में 22 सितंबर को एक बार फिर उन्होंने कॉर्पोरेशन के खिलाफ हाई कोर्ट में केस जीता है।

इससे पहले वर्ष 1997 में उन्हें नौकरी से निकाला गया था। इसके खिलाफ उन्होंने कोर्ट में अपील की और साल 2001 में उन्हें वापस नौकरी मिली व कॉर्पोरेशन को 5000 रुपए का मुआवजा भी मूर्ति को देना पड़ा। साल 2005 में एक बार फिर उन्हें कारण बताओ नोटिस दिया गया, जिसके खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की और 10,000 रुपए बतौर मुआवजा पाया।

साल 2006 में उन्हें फिर निकाला गया और कोर्ट ने एक बार फिर उन्हें बहाल करने के निर्देश दिए। जुलाई 2012 में उन्हें फिर से बाहर किया गया, तो उन्होंने फिर से हाई कोर्ट का रुख किया। मूर्ति ने 2013 में हाई कोर्ट के सामने छठी बार याचिका दाखिल की। उसका फैसला 22 सितंबर को उनके पक्ष में आया। मूर्ति ने कोर्ट के सामने कहा है कि उन्हें पीड़ित किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें गलत आरोपों के चलते नौकरी से निकाला गया है।

सभी रेल कोचों में लगेंगे CCTV कैमरा, ड्यूटी पर TTE पहनेंगे ड्रेस : रेलमंत्री पीयूष गोयल

भारतीय रेलवे ने संरक्षा को रेलवे समय सारिणी से जोड़ते हुए नियमित ट्रैक अनुरक्षण के लिए स्थायी ब्लॉक देने के उद्देश्य से करीब 700 ट्रेनों की गति बढ़ाने और आवागमन के समय में समायोजन करने का फैसला किया है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने यहां रेल भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसे सुनिश्चित करने के लिए एक साल के अंदर ट्रैक बदलने और अनुरक्षण के लिए ब्लॉक देने को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए पैसे की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। अगर पांच दस हकार करोड़ रुपए ज्यादा लग जाएं और ट्रैक अपग्रेड हो पाए तो यह अच्छा ही होगा। इस मौके पर रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा तथा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष अश्वनी लोहानी एवं अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

रेलगाड़ियों के हरेक डिब्बे में लगेंगे सीसीटीवी - रेल मंत्री ने कहा कि ट्रैक उन्नयन के साथ-साथ ट्रेन प्रोटेक्शन वार्निंग सिस्टम, मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन तथा अत्याधुनिक सिगनल प्रणाली के माध्यम से रेल दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के अलावा हर प्रमुख रेलवे स्टेशन एवं ट्रेन में सीसीटीवी कैमरों की सहायता से सुरक्षा का पुरा प्रबंध किया जाएगा।

CRPF और TTE को ड्यूटी के दौरान यूनिफॉर्म पहननी होगी - रेल सुरक्षा बल के हर जवान और ट्रेन टिकट निरीक्षक (टीटीई) को हर हाल में वर्दी में रहना होगा। यात्रियों की शिकायतों का उल्लेख करते हुए गोयल ने कहा कि खाने-पीने के हर सामान पर अधिकतम खुदरा मूल्य अवश्य लिखा जाएगा। मोबाइल ऐप के माध्यम से यात्रियों को जनता की शिकायतों के प्रति जवाबदेह बनाया जाएगा। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, मोबाइल तकनीक तथा रेलटेल के माध्यम से दुतगति वाली इंटरनेट सेवा के माध्यम से रेलवे की प्रत्येक संपत्ति की मैपिंग की जाएगी।

रेल कर्मचारियों को मिलेगी पूरी सुविधाएं - रेलवे के कर्मचारियों के काम करने की दशाओं को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गैंगमैन के टूल किट के साथ उनके पेयजल एवं भोजन के लिए भी इंतजाम किया जाएगा। उनकी पदोन्नति पर भी ध्यान दिया जाएगा। ट्रैक की निगरानी के लिए अल्ट्रा सोनिक ब्लॉ डिटेक्शन सिस्टम मशीन खरीदी जाएंगी। आईसीएफ कोचों के निर्माण को पूरी तरह से बंद करके उन्हें एलबीएच कोच से बदला जाएगा और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था के साथ रात में भी संरक्षा कार्य कराए जाएंगे।

राजपाल यादव ने किया कुटुम्ब द फेमिली का पोस्टर लॉन्च

इस बार अवधी रंग बरसाएंगे अभिनेता राजपाल यादव, जो लेखक और निर्देशक अमित श्री यादव की फिल्म कुटुम्ब में पहली बार न सिर्फ होली का गीत गये हैं, बल्कि उसी गीत पर सतरंगी लटके-झटके भी दिखाये हैं यानी अवध का छोरा खेलेगा गुलाल। श्याम एंटरटेन्मेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म कुटुम्ब के पोस्टर जारी किया गया इस मौके पर राजपाल ने कहा जब मैं यह फिल्म देखा मेरी आँख में आंसू भर आये। इस फिल्म में राजपाल यादव के भाई इंद्रपाल यादव भी जो कुटुम्ब के जरिए बतौर अभिनेता लॉन्च हो रहे हैं। इस फिल्म के निर्माता हैं श्याम

अवतार केडिया व एक्सीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं शोएब खान। फिल्म के संगीतकार आर्यन जैन हैं इन्होने कहा कि हमें यूपी की एक खास तरह की टोन वाली आवाज चाहिए थी, जो राजपाल यादव की आवाज में नजर आ रही थी। डायरेक्टर और मैंने यह तय किया कि होली का यह खास गीत हम न सिर्फ राजपाल यादव से गवाएंगे, बल्कि उनपर फिल्माएंगे भी। फिल्म का यह खास गीत आर्यन ने ही लिखा है। कुटुम्ब का टाइटल सांग गायक कुमार शानु जी ने गाया है जो नेट पर हिट हो गया हैं इसके साथ अलका यागनिक, जावेद अली, शाहिद माल्या और त्रिप्ती शाक्या ने अपनी आवाज दी हैं। डायरेक्टर अमित कहते हैं कि कुटुम्ब इमोशनल फैमिली ड्रामा है और यह फिल्म संयुक्त परिवार का पक्ष लेती है। हमारा मकसद यह बताना है कि परिवार समाज में कितनी मजबूत कड़ी है और ऐसी परंपरा और सौंधी महक हमारे देश में ही देखने को मिलेगी, जहां सभी भाई मिल-जुलकर रहते हैं। इस परिवार में महिलाओं की भूमिका अहम है, जो एक भरे-पूरे परिवार को अखाड़ा भी बना सकती हैं यानी वे परिवार को तोड़ भी सकती हैं और जोड़ भी सकती हैं। कुटुम्ब में आलोक नायर, आशीष शुक्ला, इंद्रपाल यादव, अमित सिंह, राज मीना, रितु शर्मा, संध्या, और आलोक नाथ के अहम किरदार हैं। यह फिल्म 3 नवम्बर को के सेरा सेरा द्वारा पुरे भारत में रिलीज हो रही हैं। इस फिल्म के प्रदारक नगमा खान शाज मिडीया हैं।

तेरहवीं के कार्ड छप चुके थे डॉक्टर बेटे ने टाला मां का मृत्युभोज

मां का निधन हुआ। पूरा परिवार गमगीन था। तेरहवीं के भोज के लिए कार्ड छपकर आ चुके थे, लेकिन छोटे भाई (जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. आरएन राजीरिया) ने कहा हम मृत्युभोज नहीं करेंगे। भाई के प्रस्ताव पर हमने पूरे परिवार में मशविरा किया। सभी की सहमति बनी तो गांव के लोगों के साथ पंचायत हुई। पंचायत में तय हो गया कि कार्ड छप गए तो क्या हुआ अब मृत्युभोज नहीं करेंगे। यह बात ग्वालियर आरोग्यधाम अस्पताल में पदस्थ डॉ. रामकुमार राजीरिया ने कही। उनकी मां का निधन 20 सितंबर को बीमारी के चलते हुआ था।

कुरीति है मृत्युभोज

जिला अस्पताल में पदस्थ ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ. आरएन राजीरिया का कहना है कि मां सियादुलारी राजीरिया के निधन के बाद घर में तेरहवीं के लिए तैयारी शुरू थी। कार्ड छपवाकर 3 अक्टूबर को भोज की तैयारी थी, लेकिन मन में ख्याल आया कि यह तो कुरीति है। क्यों नहीं मां के नाम पर ऐसा कुछ किया जाए, जिससे सालों साल उन्हें याद किया जाए और उनके नाम पर गरीबों का भला हो सके। डॉ. राजीरिया का कहना है उन्होंने हिम्मत कर बड़े भाई के सामने प्रस्ताव रखा तो उन्होंने पूरे परिवार से बात की। छोटे भाई इंजीनियर रामशरण राजीरिया भी मृत्युभोज नहीं करने के

फैसले से सहमत हो गए। अब तीनों भाई मिलकर मां के नाम से 3 लाख रुपए जमा कर ट्रस्ट बनाएंगे, जिससे गरीबों की सेवा करेंगे।

100 लोगों को दिलाया संकल्प

डॉ. राजीरिया का कहना है कि उन्होंने परिवार में सहमति बनाने के बाद गृहगांव अतरसूमा में 26 सितंबर को गांव के लोगों के साथ पंचायत की। पंचायत ने भी इस निर्णय की प्रशंसा की। गांव की पंचायत में 100 लोगों ने मृत्युभोज नहीं करने और न ही खाने का संकल्प लिया। डॉ. राजीरिया का कहना है अब मां की तेरहवीं पर सिर्फ कर्मकांड की क्रिया की जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

राम रहीम की गैंग ने दी जान से मारने की धमकी: हनीप्रीत के पूर्व पति का आरोप

करनाल। हनीप्रीत के पूर्व पति विश्वास गुप्ता और ससुर ने अपनी जान को खतरा बताया है। उनका आरोप है कि कुबार्नी गैंग ने उन्हें लेटर भेजकर जान से मारने की धमकी दी है। इसमें लिखा है कि उनके 200 लोग हैं, जो उसे छोड़ेंगे नहीं। गुप्ता ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है और चंडीगढ़ के डीजीपी से सुरक्षा की मांग की है। विश्वास गुप्ता ने अपने पिता महेंद्र गुप्ता के साथ मिलकर इस मामले की शिकायत करनाल की सेक्टर 4 चौकी में की है। शिकायत में कहा है कि लेटर में पांच लोगों की हत्या की धमकी दी गई है। इनमें विश्वास गुप्ता, उनके पिता महेंद्र गुप्ता, हंसराज, गुरदास तूर, गोरा और वो खुद शामिल हैं। हंसराज और गुरदास डेरा के पूर्व मेंबर रहे हैं, जबकि गोरा

राम रहीम का साला है। राम रहीम के गलत कामों का खुलासा करने में इनका बड़ा रोल रहा, इसलिए वो इन्हें अपना दुश्मन मानता है। राम रहीम के ऐसे सपोर्टर्स का गुट जो उसके लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार है कुबार्नी गैंग कहलाता है। राम रहीम को रेप केस में सजा सुनाए जाने के बाद पंचकूला समेत पांच राज्यों में हिंसा फैल गई थी। इसमें 41 लोगों की मौत हुई थी। कहा जाता है कि इस हिंसा को फैलाने में कुबार्नी गैंग का बड़ा रोल था। हनीप्रीत के पूर्व पति विश्वास गुप्ता ने 22 सितंबर को कहा था कि हनीप्रीत राम रहीम की मुंहबोली बेटी नहीं, प्रेमिका है। गुप्ता ने कहा था, 2011 में राम रहीम और मेरा कमरा साथ-साथ था। मैंने एक रात बाबा के कमरे में दोनों को न्यूड देखा था।

अवैध शराब से मौत होने पर अब दोषियों को मिलेगी

सजा-ए-मौत

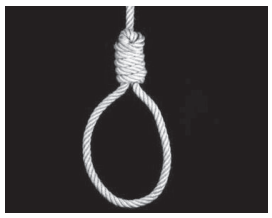

लखनऊ। अवैध रूप से शराब बनाने और शराब की तस्करी करने वाले पूरी तरह से सावधान हो जाएं। अवैध विषाक्त शराब से मौत पर अब दोषियों को मृत्युदंड, आजीवन कारावास के साथ ही 10 लाख रुपये का भारी-भरकम जुमार्ना चुकाना होगा। इस संबंध में 107 वर्ष पुराने आबकारी एक्ट में संशोधन संबंधी अध्यादेश को राज्यपाल ने बुधवार को मंजूरी दे दी। राज्यपाल की हरी झंडी मिलने के साथ ही सूबे में आबकारी अध्यादेश के कड़े प्रावधान लागू हो गए हैं। अवैध शराब के विषाक्त होने से आए दिन होने वाली मौतों और शराब की तस्करी से आबकारी राजस्व हो रहे नुकसान के मद्देनजर योगी सरकार ने पिछले सप्ताह ही अंग्रेजों के बनाये उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1910 की दंडक धाराओं को बेहद कड़ा बनाने संबंधी संशोधन प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। वर्तमान में राज्य विधानमंडल सत्र के न चलने के कारण कैबिनेट से मंजूर उत्तर प्रदेश आबकारी (संशोधन) अध्यादेश 2017 से संबंधित पत्रावली मंगलवार को राज्यपाल के पास भेजी गई थी। गौर करने की बात यह है कि 24 घंटे से भी कम समय में संबंधित प्रस्ताव का विधिक परीक्षण कराकर राज्यपाल राम नाईक ने बुधवार को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी। राज्यपाल की मंजूरी मिलते ही राज्य सरकार ने भी समय गंवाए बिना बुधवार को ही संबंधित अधिसूचना जारी कर अध्यादेश के कड़ी सजा, दंड शुल्क और अधिकारियों के अधिकार संबंधी प्रावधानों को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। सरकार का मानना है कि अब कठोर दंड होने पर शराब की तस्करी व अवैध शराब बनाने पर अंकुश लगेगा जिससे आबकारी राजस्व में भी इजाफा होगा। विदित हो कि पिछले वित्तीय वर्ष में सरकार को आबकारी से 14272 करोड़ रुपये मिले थे।

अवैध शराब पर थी छह माह की सजा

अब तक लागू कानून के तहत अवैध शराब के कारोबारियों को जहां छह माह तक ही जेल हो सकती थी वहीं जुमार्ना भी अधिकतम पांच हजार रुपये था। अध्यादेश के माध्यम से आबकारी एक्ट की दो दर्जन धाराओं में संशोधन के अलावा नई धारा 60 (क) जोड़कर अब ऐसी व्यवस्था की गई है कि अवैध रूप से शराब की तस्करी, बिक्री एवं अवैध शराब के विषाक्त होने और उसको पीने से किसी की मृत्यु या स्थायी अपंगता पर दोषियों को मृत्युदंड दिया जा सकेगा। इतना ही नहीं ऐसे गंभीर मामलों में दोषियों पर 10 लाख रुपये का जुमार्ना लगाने के साथ ही उन्हें आजीवन कारावास की कठोर सजा भी हो सकेगी।

मिलावटी शराब पर भी ज्यादा सजा व जुर्माना

अब तक शराब में मिलावट पर छह माह का कारावास और दो हजार रुपये का अर्थदंड रहा है। शराब में मिलावट पर कड़ाई से अंकुश लगाने के लिए नए कानून के तहत एक वर्ष की जेल और पांच हजार रुपये तक का अर्थदंड रखा गया है। इसी तरह अवैध रूप से मादक वस्तुओं को रखने पर न्यूनतम छह माह की सजा, मादक वस्तुओं के अवैध आयात और परिवहन पर भी अब ज्यादा सजा व जुमार्ना होगा। कंपाउडिंग धनराशि भी पांच हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये की गई है।

अफसरों को भी मिलेगा कठोर दंड

अवैध शराब के कारोबारियों से मिलीभगत रखने वाले विभागीय अफसरों के कर्तव्यपालन में हीला-हवाली पाए जाने पर उन्हें भी अब कठोर दंड दिया जा सकेगा। कठोर दंड का प्रावधान होने से तलाशी आदि के मामले में जरा भी लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अफसरों के खिलाफ निलंबन और बर्खास्तगी तक की कार्रवाई हो सकेगी। हालांकि गिरफ्तारी, निरुद्ध, जब्ती, सर्च वारंट और जमानती व गैर जमानती धाराओं आदि में संशोधन से अफसरों के अधिकारों में बढ़ोतरी भी की गई है।

मोबाइल नंबर स्वैप कर बैंक खातों में लगा रहे बैंक एकाउंट में सेंध

लखनऊ। साइबर क्राइम का दायरा व्यापक होता जा रहा है। जालसाज एटीएम कार्ड की जानकारी लेकर,कार्ड की क्लोनिंग कर तो कभी स्वैपिंग करके लोगों की गाढ़ी कमाई लूट रहे हैं। अब जालसाजों ने नया तरीका ईजाद किया है। वह लोगों के मोबाइल नंबर स्वैप कर ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से सीधे उनके खाते में सेंध लगा रहे हैं। ऐसे में अगर आपके मोबाइल नंबर का नेटवर्क अचानक गायब हो जाए तो फौरन सतर्क हो जाएं। सबसे पहले जालसाज आपके एटीएम कार्ड पर अंकित 16 डिजिट नंबर की जानकारी एकत्र करते हैं। इसके लिए वह एटीएम बूथ में मौजूद रहते हैं और किसी बहाने से उसे नोट कर लेते हैं, या फिर वह एटीएम में स्किमर लगाकर पूरा ब्योरा हासिल कर लेते हैं।

एटीएम कार्ड के 16 डिजिट नंबर को हथियार बनाकर वह बैंक के कॉल सेंटर में फोन करते हैं। कॉल टेकर को सभी डिजिट बताकर मोबाइल बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कहते हैं। कॉल सेंटर के कर्मचारी बैंक में रजिस्टर्ड नंबर से फोन करने पर ही ब्योरा देने की बात बोलते हैं। इस पर जालसाज उनसे उक्त नंबर भूल जाने अथवा याद न होने का झांसा देकर मोबाइल नंबर व

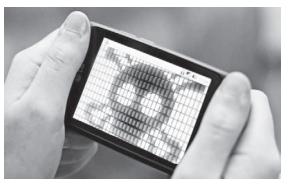

अन्य जानकारी हासिल कर लेते हैं। मोबाइल नंबर हासिल करने के बाद ठग पुलिस की ऑनलाइन पोर्टल पर उक्त नंबर के खोने अथवा चोरी हो जाने की ई-एफआइआर दर्ज कराते हैं। इसके बाद संबंधित टेलीकॉम कंपनी में एफआइआर की प्रति दिखाकर जालसाज दूसरा सिम हासिल कर लेते हैं। मोबाइल नंबर स्वैप होते ही उसके फोन से नेटवर्क गायब हो जाता है।

कानपुर नगर स्थित बेसिक शिक्षा अधिकारी के यहां वित्त एवं लेखा अधिकारी महानगर रहीम नगर निवासी अजय नाथ मौर्य के खाते से 2.20 लाख रुपये निकल गए थे। अजय ने नाका कोतवाली में एफआइआर दर्ज कराई, जिसके बाद साइबर क्राइम सेल ने जांच शुरू की। पड़ताल में पता चला कि जालसाज ने अजय का मोबाइल नंबर स्वैप कर ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए ठगी की है। पुलिस ने इस मामले में प्रदीप तिवारी को गिरफ्तार किया, जिसके बाद पूछताछ में सारी बात सामने आई।

10 करोड़ कीमत की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

किशनगंज। बिहार के किशनगंज में 1.9 किलोग्राम हेरोइन के साथ दो तस्कर दबोचे गए। डिप्टी कमांडेंट कुमार सुंदरम के नेतृत्व में एसएसबी 12 वीं बटालियन के जवानों ने शहर से सटे कोचाधामन थाना क्षेत्र के मस्तान चौक के निकट दोनों तस्करों को धर दबोचा। दोनों तस्कर पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिलान्तर्गत मटियारी, दालकोला का रहने वाला है। गिरफ्तार तस्कर तारिक आलम और मु. मुस्तफा ने प्रारंभिक पूछताछ में किशनगंज में ही डिलीवरी देने की बात कबूला है। हालांकि बंगलादेश से पश्चिम बंगाल के रास्ते हेरोइन की खेप किशनगंज लाने की बात कही जा रही है। जब्त हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब दस करोड़ रुपए आंकी जा रही है। एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट कुमार सुंदरम से मिली जानकारी के अनुसार हेरोइन की बड़ी खेप की डिलीवरी किशनगंज होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर किशनगंज- कोचाधामन रोड में नाकेबंदी कर जाल बिछाया गया। मंगलवार शाम को मोहरमारी गांव के समीप दो संदिग्धों को दबोचा गया। तलाशी में उसके थैले से हेरोइन बरामद की गई। पूछताछ में तस्करों ने आसपास के इलाकों में हेरोइन की डिलीवरी देने की बात स्वीकारी। हालांकि तस्करों को किशनगंज लाकर एसएसबी पूछताछ में जुटी है।

भारत के इन शहरों में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है दशहरा

दशहरे का त्यौहार भारत में बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान राम ने रावण को मार कर विजय हासिल की थी। उसी दिन की याद में यह त्यौहार आज सारे भारत में मनाया जाता है। जिस तरह हर राज्य और समुदाय के अलग-अलग रिवाज होते हैं उसी तरह भारत में अलग-अलग तरीकों से दशहरे का त्यौहार मनाया जाता है। आइए जानिए अलग-अलग राज्यों में दशहरा मनाने का तरीका

1. कुल्लू

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू शहर में हर साल दशहरे के दिन बहुत ही चहल-पहल होती है। इस दिन यहां के लोग भगवान राम और रावण की नहीं बल्कि अपने गांव के देवता भगवान रघुनाथ जी की पूजा करते हैं। वे इस दिन बड़े ही धूम-धाम और ढोल-नगाड़ों से भगवान की पालकी निकालते हैं।

2. बस्तर

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में लोग दशहरे के दिन मां दंतेश्वरी यानी मां दुर्गा की पूजा करते हैं। यह त्यौहार पूरे 75 दिनों तक चलता है और लोग बड़े ही धूमधाम से इसे मनाते हैं।

3. बंगाल

बंगाल में दुर्गा पूजा का बहुत ही महत्व है। वहां 9 दिनों तक मां दुर्गा की मूर्ति लोग अपने घरों में लाते हैं और उनकी पूजा करते हैं। दशहरे वाले दिन वे दुर्गा मां की मूर्ति को पानी में विसर्जित कर देते हैं। इस दिन में महिलाएं नए-नए कपड़े पहन कर मां की पूजा करती हैं और एक-दूसरे के साथ सिंदूर खेलती हैं।

4. मैसूर

मैसूर शहर में दशहरे का त्यौहार बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन पूरे शहर में रौशनी की जाती है और हाथियों पर जुलूस निकाला जाता है। दशहरे के दिन मैसूर महल को भी दीप मालाओं और लाइटों से दुल्हन की तरह सजाया जाता है।

5. महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में दशहरे से 9 दिन पहले मां दुर्गा की पूजा की जाती है और दसंवे दिन यानि दशहरे पर मां सरस्वती की पूजा होती है। इस दिन बच्चे पढ़ाई में सफलता पाने के लिए मां सरस्वती का आशीर्वाद लेते हैं।

एडवेंचर से कम नहीं इस खतरनाक ट्रैक पर गाड़ी चलाना

एडवेंचर पंसद लोग रोमांच के नाम पर खतरनाक खेल खलने को तैयार रहते है। आज हम आपको ऐसी ही एक जगह के बारे में बताने जा रहें जहां पर लोग बेफ्रिक होकर एंडवेंचर का मजा ले सकते है। एंजवेंचर पंसद लोगों को लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। आइए जानते है इस जगह के बारे में।

अमेरिका के उटाह टाउन में मौजूद ऑफ मॉब बहुत ही खतरनाक ट्रैक है। लोग यहां पर गाड़ी चलाने और एंडवेंचर का मजा लेने के लिए दूर-दूर से आते है। इस टेढ़े-मेढ़े रास्ते पर कमजोर दिल वालों को गाड़ी चलाने की इजाजत नहीं है।

रेगिस्तान और पहाड़ से घिरी इस जगह पर लोग माउंटेन बाइकिंग और फोर व्हीलर ड्राइव करने के लिए आते है। हेल रिवेंज के नाम से भी जानी जाने वाली इस खतरनाक जगह पर 13 किलोमीटर लंबा एक ट्रैक है। जिस पर लोग गाड़िया तोजी से दौड़ाते है।

ट्रैक कम, अलग-अलग चट्टानों के समूह पर गाड़ी चलाना बेहद मुश्किल काम है। यहां पर आने से पहले ड्राइवर्स को सख्त हिदायत दी जाती है कि वो अपने सुरक्षा इक्यूपमेंट अपने पास रखें। इस ट्रैक को पार कर टॉप पर पहुंचने के बाद आप अमेरिका का खुबसूरत पहाड़ 'ला साल' देख सकते है। इसके अलावा यहां से आप कोलोराडो रिवर और घाटी का खुबसूरत नजारा भी देखने को मिलती है।

मालिक के साथ सरपट 3 हजार फुट ऊंचा पहाड़ चढ़ गया कुत्ता

मालिक के साथ सरपट 3 हजार फुट ऊंचा पहाड़ चढ़ गया कुत्तामालिक के साथ सरपट 3 हजार फुट ऊंचा पहाड़ चढ़ गया कुत्ताकुत्ते की यारी और वफादारी से आप तो वाकिफ होंगे, आज देख भी लीजिए। एक कुत्ता अपने मालिक के साथ 3 हजार फुट ऊंचा पहाड़ चढ़ गया।

मालिक के साथ कुत्ता भी चढ़ गया पहाड़ पर

स्कॉटलैंड में रहने वाले 31 वर्षीय जेमी जैक को रॉक क्लाइंबिंग का बहुत शौक है। वह करीब 70 से ज्यादा पहाड़ चढ़ चुके हैं। इस काम में उनका साथ दिया है 8 साल के पालतू कुत्ते स्नूप ने। स्नूप अपने मालिक जेमी से बहुत प्यार करता है, घर हो या बाहर वह हमेशा उनके साथ रहता है। इसीलिए जब जेमी ने 3 हजार फुट ऊंचे पहाड़ पर चढ़ाई का मन बनाया तो स्नूप को भी साथ ले लिया।

कुत्ते को दी है ट्रेनिंग

जेमी ने स्काटलैंड के मशहूर मुनरो पहाड़ की चढ़ाई की। सबसे हैरानी

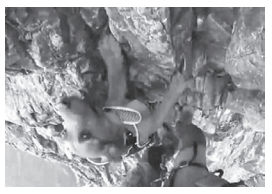

की बात है उन्होंने बिना केबल के सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की। जेमी के साथ उनका प्यारा डॉगी स्नूप भी साथ-साथ पहाड़ चढ़ा। जेमी ने एक रस्सी के सहारे खुद को और स्नूप को बांध रखा था, ताकि कभी स्नूप का पैर फिसले तो वह नीचे न गिरे। हालांकि ऐसी नौबत आई नहीं, जेमी ने अपने कुत्ते को इतनी ट्रेनिंग दे रखी थी, वह सरपट पहाड़ चढ़ गया।

सबकुछ कैमरे में हुआ रिकॉर्ड

3 हजार फुट ऊंचे पहाड़ पर चढ़ाई का पूरा वीडियो जेमी ने अपने कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। दरअसल जेमी क्लाइंबिंग के दौरान हेलमेट पर कैमरा लगाए थे, जिससे कि स्नूप और उन्होंने कैसे चढ़ाई की, सबकुछ कैमरे में रिकॉर्ड हो गया।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। धनलाभ होगा। आर्थिक उपलब्धियां मनोनुकूल रहेंगी।

वृष
वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। पुराना रोग उभर सकता है। मित्रों से उपयोगी चर्चा होगी।

मिथुन
वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धनलाभ होगा। चिंता रहेगी। विवाद से बचें। काम के प्रति रुचि रहेगी।

कर्क
परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। संपत्ति के कार्य लाभदायक रहेंगे। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। यात्रा सुखद रहेगी।

सिंह
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। विवाद न करें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य पूर्ण होंगे। धार्मिक आयोजन में भाग लेंगे।

कन्या
उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अपेक्षाकृत कार्य न होने से तनाव रहेगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। पारिवारिक विवाद से मन चिंतित रहेगा।

तुला
मेहनत का फल मिलेगा। पूछ-परख रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार में मांगलिक कार्य में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिक
उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा।

धनु
अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। उन्नति होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफल रहेंगे।

मकर
दूसरों पर अतिविश्वास हानि देगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कुसंगति से बचें। हानि संभव है। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम में व्यस्तता रहेगी।

कुंभ
नौकरी, निवेश व यात्रा मनोनुकूल लाभ देंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। शत्रु परास्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में अधीनस्थों का पूर्ण सहयोग रहेगा।

मीन
योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। कार्यसिद्धि होगी। व्यापारिक संबंध प्रगाढ़ होंगे।

घर में रहता है घोड़ा, देखता है टीवी, खेलता है कुत्ते के साथ

अक्सर लोग घरों में कुत्ते, बिल्ली, खरगोश वगैरह छोटे जानवरों को पालते हैं। इन्हें लोग साथ में खिलाते हैं और बिस्तर पर सुलाते भी हैं। कुत्ता तो छोटा होता है, बेड पर आ जाएगा। हैरानी तो तब होती है, जब घोड़ा घर में पाल लिया जाए। जी हां स्काटलैंड में रहने वाली 26 साल की स्टेसी जॉनस्टोन जानवरों के प्रति प्यार को लेकर चर्चा में रहती हैं। स्टेसी के घर पर पांच कुत्ते तो हैं ही, साथ ही एक घोड़ा भी रहता है। यह उनके परिवार का एक हिस्सा बन चुका है।

कुत्तें है इसके दोस्त

स्टेसी बताती हैं कि, उन्हें घोड़ों से बहुत लगाव है। यही वजह है कि उनके घर पर 32 इंच ऊंचा एक छोटा घोड़ा रहता है। यह कुत्तों जैसा व्यवहार करता है। स्टेसी ने अपने घोड़े को काफी ट्रेनिंग दी है, उनके घर में पांच कुत्ते हैं और उन्हें यह नहीं लगता कि, वी बॉब (घोड़ा) अलग प्रजाति का है। बॉब भी

कुत्तों के साथ खेलता है और उनकी जैसी हरकतें करता है। बॉब घर के माहौल में पूरी तरह से ढल चुका है।

देखता है टीवी

बॉबी घर में खुला घूमता रहता है, उसका एक अलग से बिस्तर लगा है जिसमें वह लेटकर आराम करता है। स्टेसी की मानें तो बॉब को टीवी देखने का बहुत शौक है। बॉब ने जब पहली बार टीवी देखी थी, उस वक्त ओलंपिक आ रहे थे और टीवी पर घुड़सवारी प्रतियोगिता चल रही थी। यह देखकर बॉब भी उछलने लगा था। फिलहाल बॉब 17 साल का हो चुका है और वह अब घर के माहौल को पूरी तरह से समझने लगा। बॉब की मालकिन स्टेसी कभी भी उसे अपने से अलग नहीं करना चाहतीं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अगर आप भी सनस्क्रीन लगाते हैं तो संभल जाए!

गर्मियों में सूर्य की हानिकारक किरणों से बचने के लिए अधिकतर लोग सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर सनस्क्रीन का सही तरीके से इस्तेमाल न किया जाए, तो यह हमारी त्वचा को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकता है।

जानिए कैसे हमारे लिए नुक्सानदायक है सनस्क्रीनः-

▶ सनस्क्रीन का इस्तेमाल आंखों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसलिए अगर सनस्क्रीन लगाते समय गलती से आंखों में चला जाए तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

▶ एक ही सनस्क्रीन को चेहरे और शरीर पर लगाने से नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए हमेशा चेहरे वाली सनस्क्रीन को सिर्फ चेहरे पर और शरीर पर लगाई जाने वाली सनस्क्रीन को सिर्फ शरीर पर लगाया जाना सही है।

▶ सनस्क्रीन में ढअइअ नाम का केमिकल मिला होता है, जिससे सकिन एलर्जी हो सकती है। इस केमिकल के कारण त्वचा पर लाल रंग के चकत्ते, सूजन भी हो सकती है।

▶ सनस्क्रीन सकिन चेहरे की रेडनेस को बढ़ा सकती है। इसलिए आप नॉन ऑइली सनस्क्रीन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

▶ सनस्क्रीन मुंहासों पर भी काफी हद तक असर दिखाते हैं। आप सनस्क्रीन से परहेज करके इस समस्या से बच सकते हैं।

रोजाना करें काजू का सेवन, सेहत के लिए है बेहद फायदेमंद

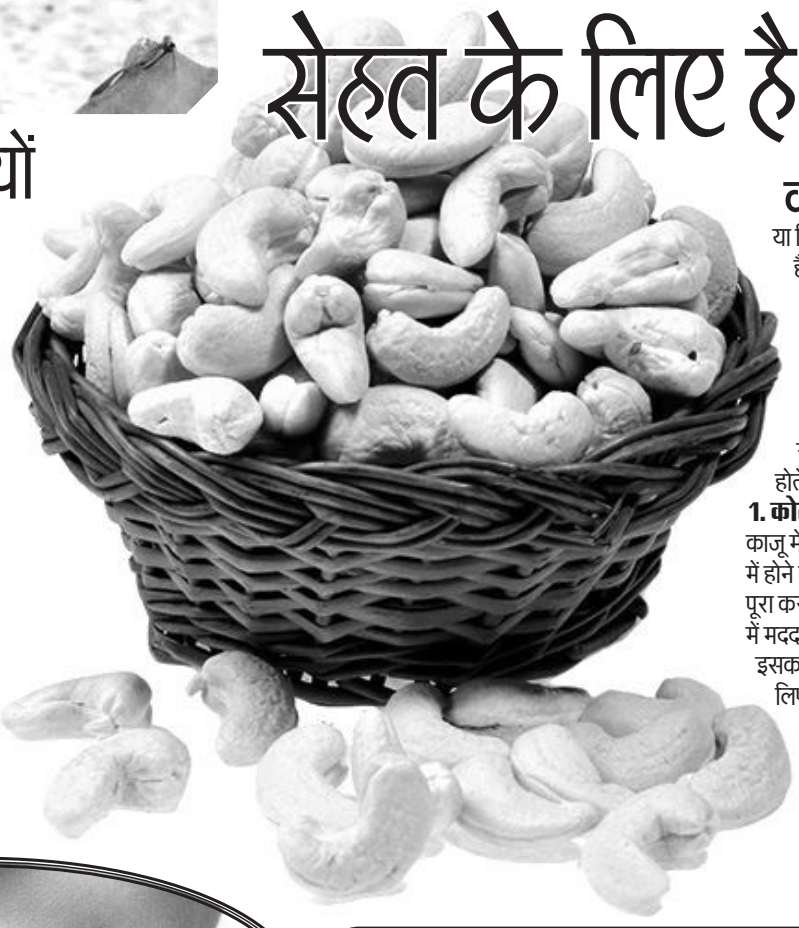

काजू का इस्तेमाल खाना बनाने या मिठाई बनाने के लिए किया जाता है लेकिन रोजाना काजू खाना सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ काजू सेहत की कई बीमारियों दूर करता है। आइए जानते है रोजाना काजू खाने से सेहत को क्या-क्या फायदे होते है।

1. कोलेस्ट्रॉल

काजू में प्रोटीन और आयरन भरपूर मात्रा में होने के कारण यह खून की कमी को पूरा करने और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके अलावा रोजाना इसका सेवन बालों और स्वस्थ त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है।

2. शरीर में एनर्जी

सुबह काजू का सेवन करने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बना रहती है। अगर आपका नूड बेमतलब खराब हो जाता है तो 2-3 काजू खाने से आपको इस समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

3. तेज याद्दाशत

खाली पेट काजू का सेवन करने से याद्दाशत तेज होती है। इसमें मौजूद विटामिन बी से शरीर में एसिड बनना भी बंद हो जाता है। इसे फीके दूध के साथ खाने से ब्लड प्रैशर भी कंट्रोल में रहता है।

4. पाचन शक्ति मजबूत

काजू में एंटी ऑक्सीडेंट गुणों के कारण यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। इस-ाके अलावा इसे खान से वजन बी कंट्रोल में रहता है और त्वचा भी ग्लोइंग हो जाती है। इसके अलावा प्रैग्नेंसी में इसका सेवन महिलाओं के लिए बहुत अच्छा होता है।

5. मजबूत हड्डियां

काजू मजबूत हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है। इसमें मौजूद मोनो सैचुरेटड फैट नामक तत्व शरीर को दिल की बीमारियों से बचाने का काम करता है।

आपकी इन गलतियों के कारण होंठों का रंग होता है काला!

होंठ चेहरे का सबसे अटैक्टिव हिस्सा है। हर कोई चाहता है कि उसके होंठ गुलाबी हो। गुलाबी होंठ पाने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं लेकिन कुछ गलतियों के कारण इसका रंग धीरे-धीरे काला होने लगता है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बताने जा रहे है। अगर आप ऐसा करते हैं तो आज ही इन आदतों को छोड़ दें।

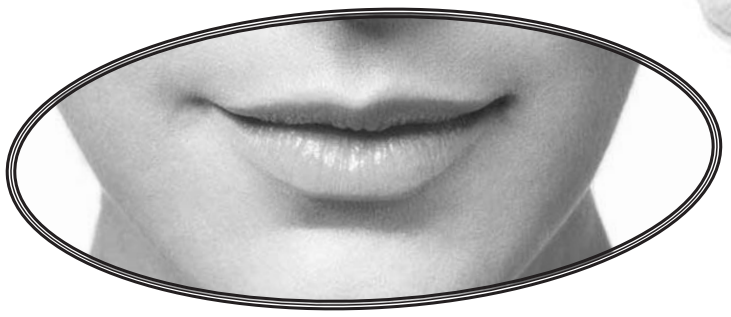

- अधिक कॉफी का सेवन

लोग खुद को फ्रेश रखने के लिए कई बार कॉफी का सेवन करते हैं। दिन में 2-3 बार कॉफी पीना तो ठीक है लेकिन ज्यादा इसका सेवन करने से होंठों का रंग काला होने लगता है।

- सिगरेट

सिगरेट पीना सेहत के लिए हानिकारक होता है। अगर आप भी सिगरेट पीते हैं तो आज ही अपनी इस आदत को छोड़ दें। सिगरेट में मौजूद निकोटिन से होंठों का रंग काला होता है।

- केमिकल्स प्रॉडक्ट

लोग अपने होंठों की सुदंरता बढ़ाने के लिए कई तरह के लिप बॉम्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इनमें मौजूद कैमिकल्स से होंठ ड्राई होने लगते है। लगातार लिप बॉम का यूज करने से होंठ काले हो जाते है।

- पानी

सेहतमंद रहने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। वहीं अगर आप कम मात्रा में पानी पीते हैं तो आपके चेहरे का निखार का कम होता ही है साथ में होंठों का रंग भी काला होने लगता है। दरअसल, कम पानी पीने से डिहाइड्रेशन की प्रॉब्लम होने लगती है जिससे होंठ ड्राई हो जाते है।

- होंठों को रगड़ना

कुछ लोगों को अपने दांतों से होंठों को रगड़ने की आदत होती है जिससे होंठ ड्राई हो जाते है।

इन चमत्कारी तरीकों से चेहरे की झाइयां करें दूर

सुंदर और बेदाग त्वचा हर लड़की की पहली पसंद होती है लेकिन कुछ महिलाओं के चेहरे पर काले दाग पड़ जाते हैं जिसे झाइयां कहते हैं। यह ज्यादातर आंखों के नीचे और नाक के आस-पास होते हैं। वैसे तो झाइयों की समस्या बढ़ती उम्र की महिलाओं में देखी जाती है लेकिन गलत खान-पान और हार्मोन असतुंलन की वजह से भी झाइयां पड़ जाती हैं। ऐसे में कुछ घरेलू फेस मास्क बनाकर इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ आसान तरीकों के बारे में

☞ झाइयों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आधा कप नींबू में आधा चम्मच हल्दी और 2 चम्मच बेसन डालकर एक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद धो लें। हफ्ते में 2-3 बार इसका इस्तेमाल करने से झाइयों की समस्या दूर होगी और चेहरा पर निखार भी आएगा।

☞ चेहरे के जिस हिस्से पर झाइयां हों वहां नींबू को बीच में से काटकर रगड़ने से भी फायदा होगा।

☞ इसके लिए सेब को पीसकर उसका गूदा बना लें और इसे चेहरे पर अच्छी तरह मलें। दिन में 2-3 बार इसका इस्तेमाल करने से कुछ ही दिनों में चेहरा साफ होगा।

☞ झाइयों को दूर करने के लिए मलाई का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए मलाई में 3-4 बादाम पीसकर डालें और अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इस पैक को रात को सोने से पहले चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें और सुबह चेहरा धो लें।

☞ टमाटर को काटकर इसे चेहरे पर रगड़ें और हल्के हाथों से मसाज करें। इससे झाइयां भी दूर होंगी और चेहरे की रंगत भी निखरेगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, शुक्रवार
29 सितंबर, 2017

चौथे वनडे में 21 रन से भारत की हार

लगातार 10 जीत के रिकॉर्ड से चूकी टीम

ऑस्ट्रेलिया ने बेंगलुरु में टीम इंडिया को 21 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ मौजूदा वनडे सीरीज में कंगारुओं ने लगातार तीन हार के बाद जीत दर्ज की है। विराट ब्रिगेड का ऑस्ट्रेलिया पर क्लीन स्वीप का सपना टूट गया है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने वॉर्नर (124 रन) और फिंच (94 रन) की पारियों की बदौलत टीम इंडिया के सामने 335 रनों का टारगेट रखा था, जिसके जवाब में भारतीय टीम 50 ओवर में 313 रन ही बना पाई और ऑस्ट्रेलिया ने ये मैच 21 रनों से जीत लिया। टीम इंडिया के लिए केदार जाधव ने 67 रन बनाए। इसके अलावा रोहित शर्मा ने 65 रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के लिए केन रिचर्डसन ने 3 विकेट झटके। अच्छी शुरूआत के बाद टीम इंडिया को पहला झटका 19वें ओवर में लगा जब अजिंक्य रहाणे को रिचर्ड्सन ने फिंच के हाथों कैच करवाया। दूसरा विकेट 23वें ओवर में रोहित शर्मा के रूप में गिरा, जब विराट के साथ हुई गलतफहमी में वे 65 रन बनाकर रनआउट हो गए।इसके बाद 25वें ओवर में विराट कोहली भी अपना विकेट गंवा बैठे। वो कुल्टर नाइल की एक गेंद पर बोल्ड हो गए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 5 विकेट गंवा कर 334 रन बनाए और टीम इंडिया के सामने 335 रनों का लक्ष्य रखा। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से डेविड वॉर्नर ने शानदार 124 रनों की पारी खेली। साथ ही अपने 100वें मैच को यादगार भी बनाया। वहीं फिंच ने भी उनका बखूबी साथ निभाते हुए 231 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप कर डाली। फिंच हालांकि शतक से चूक गए और 94 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा पीटर हैंड्सकॉम्ब ने भी 43 रनों की तेज पारी खेली। टीम इंडिया की तरफ से उमेश यादव ने बढ़िया प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके।

उमेश ने लगाया विकेटों का शतक : बेंगलुरु वनडे में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ का विकेट लेते ही उमेश यादव ने वनडे करियर में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। उन्होंने अपने वनडे करियर के 71वें मैच में ये उपलब्धि हासिल की है। इस मैच में उमेश यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट अपने नाम किए हैं। उमेश अब तक 71 वनडे में 102 विकेट ले चुके हैं। जिनमें 4/31 उनका बेस्ट प्रदर्शन है।

बेन स्टोक्स के फैंस के लिए बुरी खबर

नहीं खेल पाएंगे अंतरराष्ट्रीय मैच

लंदन। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स के फैंस के लिए बुरी खबर सामने आई है। पिछले दिनों सड़क पर झगड़े का वीडियो सन अखबार की वेबसाइट पर आने के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आज उन्हें निलंबित कर दिया है। जब तक स्टोक्स झगड़े के इस मामले से निपटेंगे नहीं तब तक वह कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल पाएंगे। इस बात का संकेत खुद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने दिए। ईसीबी ने कहा, इस दौरान इन दोनों खिलाडियों का अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए चयन नहीं होगा। इस घटना के समय स्टोक्स के साथ रहे एलेक्स हेल्स को भी निलंबित कर दिया गया। ईसीबी के कहा कि दोनों खिलाड़ी पूर्ण वेतन पर रहेंगे और अनुशासनात्मक आयोग के फैसले के बाद कुछ निर्णय लिया जाएगा। इस वीडियो में स्टोक्स दो लोगों के साथ हाथापाई करते हुए दिख रहे है जिसमें से एक के हाथ में बोतल है। हाथापाई में स्टोक्स के हाथ में चोट लगने के बावजूद भी उन्हें एशेज के लिये जो रूट के नेतृत्व में चुनी गयी 16 सदस्यीय टीम का उप कप्तान बनाया गया है। इससे पहले ईसीबी ने कहा था कि इस मामले की जांच पुलिस कर रही है, जो सभी मौजूद सबूतों की पड़ताल करेगी और हमें उस प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिये। सोमवार को तड़के गिरफ्तार होने के बाद उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला की चौथे मैच से बाहर रहना पड़ा था। हालांकि शाम में उन्हें बिना किसी आरोप के रिहा कर दिया गया था। टीम के कोच ट्रेवर बेलिस से जब श्रृंखला के बीच में देर रात तक खिलाडियों के बाहर रहने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, श्रृंखला के बीच में खिलाडियों का देर रात तक बाहर रहना गैर पेशेवर था।

डेविड वॉर्नर ने एक ही मैच में लगा दिए दो-दो शतक

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बेंगलुरू में खेले गए चौथे वनडे मैच में डेविड वॉर्नर ने एक ही मैच में दो-दो शतक लगा दिए। वॉर्नर ने एम. चिन्नास्वामी मैदान पर अपने बल्ले से ऐसी चमक बिखेरी कि पूरी दुनिया देखती रह गई। खास बात ये है कि भारतीय सरजमीं पर वॉर्नर के बल्ले से निकली ये पहली सेंचुरी भी रही। इस मैच में जिस तरह से वॉर्नर खेल रहे थे, ऐसा लग रहा था कि वो दोहरा शतक भी जमा देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

वॉर्नर ने ऐसे जमाए दो-दो शतक

बेंगलुरू के मैदान पर खेले गए वनडे सीरीज के चौथे मैच में डेविड वॉर्नर ने दमदार पारी खेलते हुए अपना 14वां एकदिवसीय शतक पूरा किया। ये मैच डेविड वॉर्नर का 100वां वनडे मैच भी रहा। एक शतक तो उन्होंने रन बनाकर लगाया और दूसरा शतक वनडे मैच खेलकर लगाया। इसीलिए हम कह रहे हैं कि वॉर्नर ने एक ही मैच में दो-दो शतक जमा दिए। इस मैच में डेविड वॉर्नर ने शानदार पारी खेलते हुए चौका लगाकर अपना यादगार शतक पूरा किया। इसी के साथ अपने 100वें वनडे मैच में शतक जमाने वाले वॉर्नर पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज तो दुनिया के 8वें बल्लेबाज बन गए। मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम में 100 वनडे मैच खेलने वाले वॉर्नर दूसरे खिलाड़ी बन गए। कंगारू कप्तान स्टीव स्मिथ ने इस टीम में सबसे ज्यादा 102 एकदिवसीय मैच खेले हैं और इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर वॉर्नर हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जब सलमान ने पार्टी में सरेआम रणबीर को जड़ा था थप्पड़

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर आज 35 साल के हो गए हैं। रणबीर अपनी फिल्मों से लेकर हीरोइनों के साथ अफेयर तक के लिए काफी चर्चित रहे। रणबीर कपूर का नाम कई फेमस हीरोइनों के साथ जुड़ चुका है। आज हम आपको एक ऐसा किस्सा बताने आ रहे हैं जब सलमान खान ने रणबीर कपूर को एक पार्टी में थप्पड़ जड़ दिया था। खबरों की मानें तो ये बात तब की है जब रणबीर कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में काम करना नहीं शुरू किया था। उस समय सलमान का बॉलीवुड में अच्छा-खासा नाम हो गया था। एक पब में पार्टी के दौरान दोनों एक-दूसरे से मिले। पार्टी में किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। बात इतनी बढ़ी कि दोनों एक दूसरे को बुरा भला कहने लगे। दोनों के दोस्तों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। लेकिन तब तक सलमान इतने गुस्से में आ गए कि उन्होंने रणबीर को थप्पड़ जड़ दिया। रणबीर भी गुस्से में पार्टी छोड़कर चले गए। इसके बाद जब ये बात सलमान के पिता सलीम खान को पता चली तो उन्होंने ऋषि कपूर से इसके लिए माफी मांगी। तब जाकर ये मामला शांत हुआ। तब से सलमान और रणबीर के बीच एक साइलेंट वॉर थी। जो कैटरीना के आने खुलेआम हो गई। कहा जाता है कि रणबीर आज भी सलमान को अवॉयड करते हैं।

कपिल शर्मा की फिल्म 'फिरंगी' का टीजर पोस्टर हुआ रिलीज

कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा की हाल ही में अपकमिंग फिल्म 'फिरंगी' का टीजर पोस्टर रिलीज हुआ है। फिल्म के ऑफिशियल अकाउंट से सोशल साइट पर यह पोस्टर शेयर किया गया है और साथ में कैप्शन दिया है, "10 नवंबर को #फिरंगी !!

बता दें कि इस फिल्म को राजीव ढींगरा डायरैक्ट कर रहें हैं। इस फिल्म में कपिल के अलावा मोनिका गिल और इशिता दत्ता भी अहम रोल में हैं। इशिता ने भी ये पोस्टर ट्विटर पर शेयर किया है। 'फिरंगी' से पहले भी कपिल की एक फिल्म 'किस किस को प्यार करूं ' में काम कर चुकी हैं। जो उनकी डेब्यू फिल्म थी। गौरतलब है कि कपिल पिछले कुछ समय से बैंगलुरु में अपना इलाज करवा रहे थे। हालांकि, अब ये वापस लौट आए हैं। इनके ट्रीटमैंट के ही चलते इनका कॉमेड शो 'द कपिल शर्मा शो' कुछ समय के लिए ऑफएयर किया गया है।

इंस्टाग्राम पर छाया मलाइका का जलवा

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रैस मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की हैं। इन तस्वीरों में मलाइका ट्रैडीशनल लुक में नजर आ रही हैं।

मलाइका ने ब्लैक कलर काएक ब्लाउज और प्रिंटिड साड़ी पहनी हुई है जिसमें वह हमेशा की तरह हॉट लग रही है। इन तस्वीरों में 44 साल की मलाइका की तस्वीरें देख उनकी उम्र का अंदाजा लगाना मुश्किल है।

इसके अलावा उन्होंने अपनी एक और तस्वीर शेयर की है जिसमें मलाइका रैड गाउन पहने काफी हॉट लुक में नजर आ रही हैं। उनका ऐसा बोल्ड लुक फैंस को मदहोश कर देने वाला है। मलाइका रियल लाइफ में सेलिब्रिटी तो हैं ही साथ इंस्टाग्राम पर भी वह काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर वह 4.4 मिलियन फॉलोअर्स की मालकिन हैं।

बता दें कि मलाइका और अरबाज खान का 18 साल का पति-पत्नी का रिश्ता कुछ महीने पहले ही खत्म हुआ है। पिछले साल दोनों ने कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी लगाई थी जिसे कोर्ट की मंजूरी मिली थी ।ऐसी खबरें आई थीं कि उनके बेटे अरहान की कस्टडी मलाइका अरोड़ा खान को मिली है। लेकिन इसके अलावा अरबाज खान जब चाहें अपने बेटे से मिल सकते हैं।

आलिया, विक्की ने फिल्म राजी की कश्मीर में शूटिंग पूरी की

आलिया भट्ट और विक्की कौशल ने अपनी आने वाली फिल्म राजी की कश्मीर में शूटिंग पूरी कर ली है। निर्देशक मेघना गुलजार की इस फिल्म की 40 दिन तक घाटी में शूटिंग की गई। आलिया भट्ट ने ट्विटर पर अपनी टीम के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए कश्मीर में फिल्म की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी। उन्होंने तस्वीर साझा करते हुए लिखा, शूटिंग खत्म..। 40 दिन बाहर शूटिंग करने के बाद मुस्कुराते चेहरे। टीम राजी। आलिया ने इंस्टाग्राम पर फिल्म में अपने सह-कलाकार विक्की कौशल और निर्देशक मेघना गुलजार के साथ भी कश्मीर की एक तस्वीर साझा की। जंगली पिक्चर्स और धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही यह फिल्म हरिंदर सिक्का के उपन्यास कॉलिंग सेहमत पर आधारित है। फिल्म की शूटिंग जुलाई के पहले हफ्ते में शुरू की गई थी।